A Daily News Magazine
इंदौर
बुधवार, 03 जुलाई, 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 254, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

तीन आपराधिक कानूनों को जानकार क्यों बता रहे हैं 'लीगल मेस'

इमरान क़ुरैशी

तीन आपराधिक कानून तमाम ग़ैर बीजेपी राज्यों, सिविल सोसायटी और कानून के जानकारों की ओर से उठ रहे सवालों के बीच एक जुलाई से देशभर में लागू हो गए हैं।

- भारतीय दंड संहिता, 1860- आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023

- दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (सीआरपीसी) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023

- भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 (आईई अधिनियम) की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023

ये नए कानून लागू तो हो गए हैं, लेकिन पुलिस जांच और अदालतें 30 जून तक किए गए अपराधों के लिए पुराने कानूनों के अनुसार अपना काम करेंगी। अब दोनों ही कानून के तहत एक साथ काम होगा।

इस कानून के नाम को लेकर भी कुछ राज्य इसका विरोध कर रहे हैं। दो दक्षिणी राज्य- कर्नाटक और तमिलनाडु ने कहा है कि इन कानूनों का नाम संविधान के अनुच्छेद 348 का उल्लंघन करता है, जिसके तहत कानूनों के नाम अंग्रेजी में होने चाहिए। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्रियों की मांग कि इस कानून को अभी लागू ना किया जाए। कर्नाटक ने तीन नए कानूनों का अध्ययन करने के लिए औपचारिक रूप से एक विशेषज्ञों की समिति का गठन किया है। राज्य के कानून मंत्री एच.के. पाटिल की अध्यक्षता वाली समिति ने पिछले साल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारों से सुझाव मांगे थे।

पाटिल ने कहा, 'केंद्र सरकार ने हमारे सुझावों पर कोई जवाब नहीं दिया।' इस समिति ने इस कानून के कई प्रावधानों को औपनिवेशिक कानूनों से छुटकारे के नाम पर 'टोकनिज़्म और एडहॉकिज्म' बताया है। डीएमके प्रवक्ता और अधिवक्ता मनुराज षणमुगम ने कहा कि नए कानून में सबसे ज्यादा केस करने वाले प्रभावित होंगे।' कर्नाटक के कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आत्महत्या को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया है, जबकि उपवास को अपराध की श्रेणी में डाल दिया गया है। कर्नाटक सरकार की विशेषज्ञों की समिति का कहना है कि नए कानून में वयस्क पुरुषों के यौन शोषण के लिए कोई प्रावधान नहीं है, हालांकि विधि आयोग ने साल 2000 में सिफारिश की थी कि देश में रेप से जुड़े कानूनों को जेंडर न्यूट्रल यानी बिना किसी लैंगिक भेदभाव के सभी पर लागू किया जाना चाहिए।'

भारतीय न्याय संहिता में आईपीसी 377 को पूरी तरह हटा दिया गया है। इसे लेकर भी कर्नाटक सरकार ने आपत्ति जताई है, क्योंकि उनका तर्क है कि कई तरह के अप्राकृतिक सेक्स के लिए इस कानून का इस्तेमाल किया जा रहा था। नए कानून में साइबर अपराध, हैकिंग, आर्थिक अपराध, पैसे छिपाना, टैक्स फ्री देशों में पैसे जमा करना, डिजिटली नुकसान करने जैसे अपराध शामिल नहीं किए गए हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने गृहमंत्री को लिखी अपनी चिट्ठी में लिखा था कि नए कानूनों के क्रियान्वयन में 'मौलिक गड़बड़ियां' हैं। उदाहरण के लिए- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 में हत्या के दो अलग-अलग तरीकों के लिए दो उपधाराएं हैं, लेकिन उनकी सज़ा एक ही है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) में कई 'जगह स्पष्टता नहीं है और कई जगह वो खुद में विरोधाभासी हैं।'

कर्नाटक की एक्सपर्ट कमिटी ने सीआरपीसी का नाम भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) रखने पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि ये नाम 'भ्रामक' है, क्योंकि दंड प्रक्रिया संहिता में अपराध की जांच, पूछताछ और सुनवाई की प्रक्रिया से निपटने के लिए कानूनों का प्रावधान है, लेकिन नए कानून के नाम से लगता है कि इसका उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा करना है। इन कानूनों को लेकर जो सबसे बड़ी आपत्तियां जताई जा रही हैं उनमें से एक है पुलिस को और शक्तिशाली बना देना।

बीएनएसएस में पुलिस को एफआईआर दर्ज करने से प्रारंभिक जांच करने के लिए 14 दिन का समय मिलेगा जिससे वो तय कर सके कि कि प्रथम दृष्टया केस बनता है या नहीं। ये ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बिल्कुल विपरीत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि शिकायत में संज्ञेय अपराध होने पर एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य है।

मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि ये भी काफ़ी चिंताजनक बात है कि हेड कांस्टेबल को ये शक्ति दी गई है कि वो किसी को भी गिरफ़्तार करके किसी को भी 'आतंकवाद' के आरोप में अभियुक्त बना सकते हैं। नए कानूनों के मुताबिक़ कोर्ट में बहस के बाद फैसला 30 दिन में सुना देना होगा। ये पारदर्शिता के लिए किया गया है। इस कानून का मतलब ये नहीं है कि पुलिस को ज्यादा ताकत मिल गई है। रेप मामलों के जेंडर न्यूट्रल न होने के सवाल पर उन्होंने कहा,'नए कानूनों को सुप्रीम कोर्ट में जाना ही होगा। कानून में लगातार परिवर्तन होते हैं. सुप्रीम कोर्ट ऐसे मामलों में सुझाव देगा। फैसलों के साथ ही कानून की स्थिति भी साफ होगी।'

'राजद्रोह से जुड़ा प्रावधान खत्म कर दिया गया है। हां ये भी सच है कि सीएए जैसा विरोध नहीं हो सकता। शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर रोक नहीं है। आप कानूनी जरिये से अपनी बात रख सकते हैं।'' कर्नाटक के पूर्व सरकारी वकील बीटी वेंकटेश ने बताया कि अब किसी भी व्यक्ति को संगति के आधार पर अभियुक्त बनाया जा सकता है। 'दूसरा सबसे अहम मुद्दा है प्रोसिजर का। पुलिस को किसी को भी हिरासत में लेने और अपनी कस्टडी में 90 दिनों तक रखने का अधिकार है। अगर आप सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) के खिलाफ़ कोई विरोध प्रदर्शन करते हैं, तो भी आतंकवादी कृत्य में शामिल होने और राष्ट्र के खिलाफ होने का आरोप लगाया जा सकता है। कुछ कानूनों को फिर से संशोधित किया गया है, कुछ को एक धारा के अंतर्गत लाया गया है, लेकिन जो धाराएं जोड़ी गई हैं वो संविधान के अनुरूप नहीं हैं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अनुरूप नहीं हैं।'

कर्नाटक, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल राज्यों को छोड़ दें तो कोई और गैर-बीजेपी सरकारों ने इन कानूनों को लेकर कड़ा विरोध नहीं जताया है। नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ एकजुट मोर्चा बनाने के लिए गैर-बीजेपी शासित राज्यों के कानून मंत्रियों की एक बैठक आयोजित की जा सकती थी जो नहीं की गई। एक नेता ने बताया, 'हममें इन परिवर्तनों से लड़ने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है। हम एक लीगल मेस (बड़ी कानूनी गड़बड़ी) की ओर बढ़ रहे हैं।'

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

मैंने बारिश से कहा 'आना'
किसी दिल में तलब बन के
राहत का सबब बन के
कोई भूला हुआ वादा
पूरा न सही आधा
कुछ छूटी हुई बातें
कुछ बिछड़ी मुलाक़ातें
बरसात के बहाने
मिल जाएँ फिर दीवाने
पूरी हो सबकी ख़ाहिश
इस बार हो यूँ बारिश

- श्रुति कुशवाहा

सत्संग में भगदड

● कई घायल

यूपी के हाथरस सत्संग में दिल दहलाने वाला हादसा

134 से ज्यादा की मौत

● आयोजकों पर एफआईआर दर्ज कराएगी योगी सरकार

● राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू, पीएम मोदी, राजनाथ सिंह, राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत कई नेताओं ने जताया गहरा दुख ● पीएम मोदी ने सीएम योगी से बात की, ● सीएम योगी आदित्यनाथ ने गठित की जांच के लिए कमेटी

लखनऊ/ हाथरस (एजेंसी)। यूपी के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के दौरान भगदड़ मच गई। इसमें 134 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। 150 से अधिक घायल हैं। कई लोगों की हालत गंभीर है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। हादसा हाथरस जिले से 47 किमी दूर फुलरई गांव में हुआ है। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने महिलाओं और बच्चों सहित अनेक श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार हृदय विदारक है। पीएम मोदी ने लोकसभा में अपने भाषण रोककर गहरा दुख जताया। वहीं राहुल गांधी,सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, राजनाथ सिंह, अमित शाह समेत कई मंत्रियों ने गहरा शोक व्यक्त किया।

अस्पताल के बाहर शव जमीन पर बिखरे पड़े थे- हादसे के बाद हालात भयावह है। अस्पताल के बाहर शव जमीन पर बिखरे पड़े हैं। वहीं, एटा के सीएमओ उमेश त्रिपाठी ने बताया- हाथरस से अब तक 27 शव एटा लाए गए। इनमें 25 महिलाएं और 2 पुरुष हैं। सत्संग में 20 हजार से अधिक लोगों की भीड़ थी।

हादसे के बाद जैसे-तैसे घायलों और मृतकों को बस-टैंपो में लादकर अस्पताल ले जाया गया। एक साथ इतनी संख्या में घायल पहुंचे कि अस्पताल के बाहर लोगों को जमीन पर ही लिटाकर इलाज शुरू किया गया।

डीएम ने कहा

एसडीएम ने कार्यक्रम की अनुमति दी थी- डीएम ने बताया कि एसडीएम ने कार्यक्रम की अनुमति दी थी। यह एक प्राइवेट कार्यक्रम था। अभी मृतकों का पूरा आंकड़ा पता नहीं चला है। 50 से 60 के करीब मृतक संख्या बताई जा रही है।

लाशों को देखकर सिपाही को आया हार्टअटैक

एटा में मेडिकल कॉलेज में लाशों का ढेर देखकर ड्यूटी पर तैनात सिपाही रजनेश (30) को हार्ट अटैक आ गया। उसकी मौके पर मौत हो गई। वह क्यूआरटी अवागढ़ में तैनात था। उसे मेडिकल कॉलेज आपात ड्यूटी पर बुलाया गया। इतनी लाशें देखकर वह बर्दाश्त न कर सका। सिपाही मूल रूप से अलीगढ़ का रहने वाला था।

आज हाथरस जाएंगे योगी

स्थानीय प्रशासन से हैं नाराज,मृतक के परिवार को 2-2 लाख की मदद राशि- यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ बुधवार को हाथरस जाएंगे। बताया जा रहा है कि वह स्थानीय प्रशासन से खुश नहीं हैं। हादसे के बाद उन्होंने मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार को तत्काल हाथरस भेजा था। योगी के बाद मोदी ने भी किया मुआवजे का ऐलान, मृतक के परिवार को 2-2 लाख की मदद राशि का ऐलान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाथरस में हुए हादसे में मारे गए प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

पीएम मोदी ने लोकसभा में जताया दुख

लोकसभा में भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक हादसे की सूचना पहुंची तो उन्होंने शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के हाथरस में मची भगदड़ में कई लोगों के मरने की खबर है। मैं इस हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मैं इस सदन के माध्यम से सभी को आश्वस्त करता हूं कि पीड़ितों की हरसंभव मदद की जाएगी।

चारों तरफ लाश...

रोते-बिलखते परिजन

सिकंदराऊ सीएचसी के बाहर चारों तरफ लाशें बिखरी हुई हैं। बीच में रोते-बिलखते परिजन हैं। हालात इतने भयावह थे किसी को कुछ समझ ही नहीं आ रहा था। लाशों को चादर तक ओढ़ाने की व्यवस्था नहीं थी। परिजन पहले लाशों के बीच अपनों को खोजते रहे, जब नहीं मिले तो वहीं बैठकर रोने लगे।

अखिलेश बोले-

भाजपा की अयोध्या हार, भगवान राम का फैसला

नईदिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 28 मिनट तक बोला। उनका बयान यूपी पर केंद्रित रहा। सपा प्रमुख ने अयोध्या और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा- यूपी के साथ भेदभाव हुआ। जिसका खामियाजा जनता भुगत रही। यूपी सरकार पेपर लीक करा रही, जिससे उसे नौकरी न देनी पड़े, लेकिन आवाम ने हुकूमत का गुरूर तोड़ दिया। अखिलेश ने कहा- देश में पहली बार हारी हुई सरकार विराजमान है। ये चलने वाली नहीं, गिरने वाली है। मनमर्जी नहीं, जनमर्जी चलेगी। यह भगवान राम का फैसला है। जो कहते थे उन्हें लाए हैं, उन्हें ही हरा दिया।सपा प्रमुख ने अयोध्या में रामपथ धंसने और श्रीराम स्टेशन की दीवार गिरने पर तंज कसते हुए कहा- यूपी की मुख्य नगरी में अब तो नाव चल रही है। स्टेशन की दीवार बेईमानी की निशानी बन गई है।

यूपी पीसीएस-जे मेंस में बदली गई 50 कॉपियां

● कोडिंग में भी हेरफेर, समीक्षा अधिकारी समेत 5 दोषी, 3 सस्पेंड

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी पीसीएस-जे मेंस -2022 की एक नहीं 50 कॉपियां बदली गई थीं। कॉपियों के कोडिंग में भी हेरफेर हुआ था। एक अभ्यर्थी के हाईकोर्ट पहुंचने के बाद हुई जांच में खुलासा हुआ। यूपी लोकसेवा आयोग ने समीक्षा अधिकारी समेत 5 अधिकारियों को दोषी करार देते हुए 3 को सस्पेंड कर दिया है। पर्यवेक्षणीय अधिकारी उपसचिव सतीश चंद्र मिश्र के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई, जबकि एक रिटायर्ड महिला अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन से परमिशन मांगी गई है।

पुलिस का दावा-

सलमान की सुपारी दी गई थी, 25 लाख में डील हुई थी

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर सलमान खान के घर हुई फायरिंग की जांच कर रही नवी मुंबई पुलिस ने नया खुलासा किया है। पुलिस का कहना है कि लॉरेंस गैंग ने सलमान को मारने के लिए 25 लाख रुपए की सुपारी दी थी। पुलिस ने अब इस मामले में गिरफ्तार किए गए लॉरेंस गैंग के 5 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

ये आरोपी सलमान पर हमला करने के लिए पाकिस्तान से एके-47 राइफल, एके-92 राइफल और एम-16 राइफल खरीदने की तैयारी कर रहे थे। इसके अलावा इन्होंने जिगाना पिस्तौल भी मंगवाने की कोशिश की, जिससे पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या की गई थी।

सभी विभागों को जनता के प्रति अधिक से अधिक जवाबदेह बनाना हमारा लक्ष्य : मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने 'लोकपथ मोबाइल ऐप' किया लाँच

● सात दिन में होगा सड़कों में सुधार, अधिकारी होंगे जवाबदार

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी विभागों को जनता के प्रति अधिक से अधिक जवाबदेह बनाना हमारा लक्ष्य है। जनता के प्रति अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह कार्य प्रणाली को अपनाते हुए लोक कल्याण के पथ पर निरंतर अग्रसर रहने की दृष्टि से लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार लोकपथ मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विधानसभा भवन स्थित मीडिया सेंटर में मोबाइल ऐप- लोक पथ के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह उपस्थित थे।

जन-जन तक पहुंचाएं ऐप की जानकारी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की 40 हजार किलोमीटर लंबी सड़कों में आवश्यकतानुसार ऐप से त्वरित रूप से सुधार संभव होगा। विभाग के लिए 7 दिन में सुधार करना चुनौती पूर्ण और साहस का कार्य है। यह विश्वास है कि विभाग नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए इस नवाचार को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में सफल होगा। यद्यपि अधिक वर्षा, जल भराव और भारी वाहनों के अधिक आवागमन से सड़कों का क्षतिग्रस्त होना स्वाभाविक है, परंतु विभाग का यह प्रयास होना चाहिए कि सड़कों में गड्ढे हो ही नहीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया के साथियों से इस ऐप की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। लोकपथ मोबाइल ऐप सड़क सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली के सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

मोबाइल ऐप से आमजन को मार्गों की समस्या बताने की सुविधा मिलेगी और अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। लोकपथ मोबाइल ऐप मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 40.5°c
न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 03 जुलाई 2024

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

नीट पीजी एग्जाम 2024 पर बड़ा फैसला!

● परीक्षा से कुछ घंटे पहले तैयार होगा क्वेश्चन पेपर

नईदिल्ली (एजेंसी)। नीट पीजी परीक्षा 2024 पर बड़ा फैसला आया है। गृह मंत्रालय की बैठक में ये निर्णय लिया गया है कि नीट पीजी परीक्षा का क्वेश्चन पेपर नीट पीजी परीक्षा शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही तैयार किया जाएगा। नीट पीजी एग्जाम डेट 2024 की घोषणा भी जल्द होने वाली है।

एमडी, एमएस जैसे पीजी मेडिकल कोर्सेस के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा नीट पीजी को लेकर एक बड़ी खबर आ रही है। केंद्र सरकार की बैठक में ये फैसला लिया गया है कि नीट पीजी एग्जाम क्वेश्चन पेपर अब परीक्षा से महज कुछ घंटे पहले ही बनाया जाएगा। पहले से पेपर सेट नहीं होंगे, जैसा कि हुआ करता था। मंगलवार, 2 जुलाई को गृह मंत्रालय में हुई बैठक में ये फैसला लिया गया है।

हरियाणा में चलती मालगाड़ी से कंटेनर गिरे

● 3 किमी रेलवे ट्रैक टूटा, 14 ट्रेनें रद्द, 38 डायवर्ट

करनाल (एजेंसी)। हरियाणा के करनाल में मंगलवार सुबह तरावड़ी रेलवे स्टेशन के पास चलती मालगाड़ी से करीब 8 कंटेनर गिर गए। कंटेनर गिरने की वजह से बिजली लाइन और रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचा। जिसके बाद रेलवे ने दिल्ली से अमृतसर के बीच चलने वाली ट्रेनों की आवाजाही रोक दी। इस रूट पर 14 पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें

रद्द कर दी गईं। वहीं 38 ट्रेनों को डायवर्ट कर दिया गया। इस रूट पर रोजाना 60 से 70 रेल गाड़ियां अप-डाउन करती हैं। जो प्रभावित हुई हैं।

शुरूआती जांच के बाद बताया गया कि मालगाड़ी का ऐक्सल टूट गया था, जिससे लगे झटके के बाद मालगाड़ी से कंटेनर जा गिरे। वहीं मालगाड़ी के पिछले पहिए डीरेल होने की भी सूचना है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट का सीबीआई को नोटिस

● 7 दिन में जवाब मांगा, शराब नीति केस में 3 दिन रिमांड में रखा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट में मंगलवार (2 जुलाई) को सीबीआई की ओर से की गई गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने सीबीआई को नोटिस जारी कर 7 दिन में जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी। केजरीवाल की ओर से सोमवार (1 जुलाई) को याचिका दाखिल की गई थी। केजरीवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट के 26 जून के उस आदेश को भी चुनौती दी है, जिसके तहत उनको 3 दिन के लिए सीबीआई की रिमांड पर भेजा गया था। फिलहाल केजरीवाल 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में हैं।

कार के अंदर छात्रा की गला काटकर हत्या

दूसरे लड़के के साथ देखा, पीछा किया, गेट खोलते ही चाकू मारा

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में 11वीं की छात्रा की उसके ही दोस्त रहे युवक ने हत्या कर दी। 16 साल की छात्रा किसी और लड़के के साथ कार में थी। आरोपी को यह बर्दाश्त नहीं हुआ। जब छात्रा और उसका दोस्त घूमकर लौटे, आरोपी भी दौड़ लगाते हुए पीछे आ गया। वह पहले ही हत्या का मन बना चुका था।

ओमती इलाके के घंटाघर पर कार रुकी। छात्रा ने उतरने के लिए गेट खोला, ठीक तभी आरोपी ने उसके गले में चाकू मार दिया। घंटाघर से कुछ ही दूरी पर नया मोहल्ला में छात्रा का घर है। हमले के बाद आरोपी भाग निकला।

घटना सोमवार शाम 6 बजे की है। छात्रा को घायल हालत में प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाया गया। यहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। देर रात मेडिकल कॉलेज लाने से पहले छात्रा ने दम तोड़ दिया। देर रात पुलिस ने आरोपी

गुफरान, आरोपी

को गिरफ्तार कर लिया।

छात्रा ने आरोपी के प्रपोजल को ठुकरा दिया था- आरोपी गुफरान (21) भी छात्रा के ही मोहल्ले का रहने वाला है। कपड़े की दुकान में काम करता है। छात्रा से उसकी दोस्ती एक साल पहले हुई थी। दोनों साथ में घूमा करते थे। इस बीच छात्रा की दोस्ती एक और लड़के से हो गई। नए दोस्त के साथ छात्रा का घूमना-फिरना गुफरान को पसंद नहीं आया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने छात्रा को समझाया। उससे कहा कि वह उसे बहुत प्यार करता है। लेकिन, छात्रा ने उसके प्रपोजल को ठुकरा कर कह दिया कि वह कोई मतलब नहीं रखना चाहती।

आरोपी रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार- गुफरान घात लगाकर छात्रा के लौटने का इंतजार कर रहा था। जब उसने छात्रा पर हमला किया तो कार में मौजूद उसका दोस्त घबराकर भाग गया। पुलिस ने रेलवे स्टेशन से आरोपी को गिरफ्तार किया। कार भी जब्त कर ली।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है : केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

सीहोर (निप्र)। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने जिले के ग्राम कुलांस कला में ग्राम वासियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मन की बातसुनी। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिहं चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है तथा पूरे विश्व में देश का सम्मान बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुझे यह दायित्व सौंपा है कि, मैं किसानों के कल्याण के लिए कार्य करूं। जो कि मैं पूरी लगन से करूंगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण के लिए अनेक कार्य पहले से ही चल रहे हैं, आगे भी किसानों के हित में कई फैसले किए जाएगें। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाना है और लागत कम करना है, इसके लिए नई किस्म के अधिक उत्पादन करने वाले बीज तैयार किये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों को फसलों का सही दाम मिले इसके लिए एमएसपी बढ़ाई जा रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी लाड़ली बहनों को लखपति बनाने का दायित्व भी प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुझे सौंपा है। उन्होंने कहा कि स्वसहायता समूहों के माध्यम से बहनों को अलग-अलग कामों की ट्रेनिंग दी जाएगी जिससे वह स्वयं का कार्य शुरू कर सकेंगी। इसके लिए उन्हें सरकार द्वारा बैंक से धनराशि दी जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पहली केबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया है, कि गरीबों के लिए दो करोड़ आवास और बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि स्वयं एवं धरती को बचाने के लिए हमे अधिक से अधिक पेड़ लगाना होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सभी से एक पेड़ मां के नाम लागाने का आवाह्न किया है। उन्होंने कहा कि अपने देश, राज्य, गांव को नशामुक्त बनाने एवं स्वच्छ बनाने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि सरकार आम नागरिकों की हर क्षेत्र में मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि देश के विकास के साथ ही जिले के विकास के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

महाकाल मंदिर में दिल्ली की डॉक्टर को कुत्ते ने काटा

परिसर में 6 से ज्यादा डॉग्स ; उज्जैन शहर में 2 महीने में 1536 को काटा

उज्जैन (नप्र)। महाकाल मंदिर में दर्शन करने आई दिल्ली की डॉक्टर के पैर में कुत्ते ने काट लिया। शुक्रवार को हुआ यह पहला मामला नहीं है, महीने में भर में श्रद्धालुओं पर डॉग अटैक और बाइट के 20 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। यह तब है, जब नगर निगम को मंदिर समिति की ओर से कई बार लेटर लिखे जा चुके हैं। मंदिर परिसर में 6 से ज्यादा आवारा कुत्ते हैं। मंदिर समिति के कर्मचारी तक इन कुत्तों से परेशान हैं।

उज्जैन शहर में डॉग बाइट के केस की बात करें तो सरकारी अस्पताल के आंकड़े ही काफी चौंकाने वाले हैं। 1 मई से 31 मई तक 786 लोगों को कुत्तों ने काटा। 1 जून से 28 जून तक 750 लोगों को कुत्ते काट चुके हैं। दो महीने में सरकारी आंकड़े के अनुसार 1536 लोगों को कुत्तों निशाना बनाया है। इसमें निजी अस्पतालों में जाने वालों का आंकड़ा शामिल नहीं है।

पति के साथ दर्शन करने आई थीं डॉक्टर- डॉ. जूही सारस्वत और उनके पति दिल्ली से महाकाल मंदिर में दर्शन करने आए थे। महाकाल मंदिर में पूजा के बाद वे परिसर में बने दूसरे मंदिरों में दर्शन कर रही थीं, तभी कुत्तों का झुंड श्रद्धालुओं के बीच आया। इनमें से एक कुत्ते

ने जूही के पैर में काट लिया। मंदिर में संचालित अस्पताल के डॉ. देवेंद्र परमार ने बताया कि डॉ. जूही को यहां शुरुआती इलाज दिया गया, इसके बाद इंजेक्शन के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

कई बार लेटर लिखे, निगम से टीम नहीं आई- मंदिर समिति के सुरक्षा प्रभारी ने बताया कि कई बार नगर निगम को लेटर लिखे गए, लेकिन कुत्तों को पकड़ने के लिए गाड़ी नहीं आई। पिछले महीने 22 मई को भी मंदिर प्रशासक ने नगर निगम आयुक्त को लेटर लिखा था। लेकिन, निगम ने कार्रवाई नहीं की।

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण, पीएम मोदी के संबोधन में विपक्ष का जमकर हंगामा

● हिंदू समाज को सोचना होगा, ये अपमान संयोग है या प्रयोग ● 2024 से कांग्रेस परजीवी पार्टी कहलाएगी ● कांग्रेस लगातार तीसरी बार 100 का आंकड़ा पार नहीं कर पाई ● लोगों ने 1 जुलाई को खटाखट दिवस मनाया ● तीसरे कार्यकाल का अर्थ है- हम तीन गुना रफ्तार से काम करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर लोकसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि वे राष्ट्रपति के भाषण के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए सदन में उपस्थित हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा जो पहली बार सांसद बनकर हमारे बीच आए हैं और उनमें से कुछ साथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। उनका व्यवहार ऐसा थी, जैसे एक अनुभवी सांसद का होता है। उन्होंने सदन की गरिमा को बढ़ाया है। पीएम मोदी ने कहा कि देश ने सफल चुनाव आयोजित कर दुनिया को दिखा दिया है कि ये सबसे बड़ा चुनाव था। पीएम मोदी ने कहा लोगों ने 1 जुलाई को खटाखट दिवस मनाया। कांग्रेस ने झूठ बोलकर लोगों से वोट लिया है।

पीएम ने कहा- कांग्रेस पार्टी 2024 से परजीवी पार्टी के रूप में जानी जाएगी। कांग्रेस जिसके साथ रहती है, उसी के वोट खा जाती है। मैं ऐसा आंकड़ों के आधार पर कह रहा हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी के 'हिंदू हिंसक' वाले कल के बयान पर कहा- ये गंभीर बात है कि हिंदुओं पर आरोप लगाने का झूठा

षड्यंत्र हो रहा है। क्या हिंदू हिंसक होते हैं? देश इन्हें माफ नहीं करेगा। अब हिंदू समाज को सोचना पड़ेगा कि क्या ये अपमान कोई संयोग है या बड़े प्रयोग की तैयारी है।

मैं कुछ लोगों की पीड़ा समझ सकता हूं- प्रधानमंत्री ने कहा मैं कुछ लोगों की पीड़ा समझ सकता हूं क्योंकि लगातार झूठ का प्रसार करने के बाद भी उनकी पराजय हुई। प्रधानमंत्री ने आगे कहा देश की जनता ने तीसरी बार हमें सेवा करने का अवसर दिया है। देश की जनता की भारतीय जनता पार्टी के 10 वर्ष के ट्रैक रिकॉर्ड को देखा। पीएम मोदी ने कहा कि देश की जनता ने देखा है कि हमारा एकमात्र लक्ष्य भारत सर्वप्रथम है। उन्होंने कहा 'हमारा एक ही लक्ष्य रहा है कि 'भारत प्रथम'। हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर काम करती है। इस विचार को सर्वोपरि रखते हुए हमने देश की सेवा करने का प्रण लिया है।'

हमारा तुष्टिकरण नहीं बल्कि संतुष्टिकरण का विचार- हम तुष्टिकरण नहीं बल्कि संतुष्टिकरण के विचार को लेकर चले हैं। पीएम मोदी ने कहा इस देश ने लंबे अरसे तक तुष्टिकरण की राजनीति भी देखी। जब हम संतुष्टिकरण की बात करते हैं तो इसका मतलब है कि आखिरी व्यक्ति तक लाभ पहुंचे। जब हम सैचुरेशन के सिद्धांत की बात करते हैं तो ये सच्चे अर्थ में सामाजिक न्याय होता है। इस पर देश की जनता ने हमें तीसरी बार चुनकर मुहर लगा दी है।

उपराष्ट्रपति और खरगे सदन में भिड़े

● 'कभी किसी ने कुर्सी का इतना अपमान नहीं किया, जितना आपने किया', मुझे सोनिया गांधी ने बनाया, आपके अंदर वर्णव्यवस्था

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के बीच तीखी बहस हो गई। इस दौरान सभापति ने खरगे के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आपने कुर्सी का जितना अपमान किया है, उतना किसी ने नहीं किया। धनखड़ ने चेतावनी देते हुए कहा कि आप हर बार कुर्सी को नीचा नहीं दिखा सकते।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी अपने संबोधन में केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे थे। उन्होंने मणिपुर, काले धन और लद्दाख के मुद्दे पर केंद्र पर हमला बोला और आरोप लगाया कि सरकार ने बीते 10 वर्षों में जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया गया। प्रमोद तिवारी जब ये कह रहे थे तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बीच में कुछ कहना शुरू कर दिया, जिस पर सभापति ने कड़ी आपत्ति ली। इसके बाद प्रमोद तिवारी ने फिर से अपना संबोधन शुरू करते हुए पेट्रोल डीजल के दामों के मुद्दे पर केंद्र पर हमला बोला और कहा कि दुनिया के बाजारों में तेल के दाम घटे और यहां बढ़े, इसमें प्रधानमंत्री के अपने दोस्तों यारों का कुछ है....।

झालकी-इछावर रोड पर कीचड़ बनी समस्या: सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे

इछावर (निप्र)। बारिश के शुरू होते ही झालकी-इछावर रोड पर दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। झालकी को इछावर जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। सड़क पर हर जगह सिर्फ गड्ढे ही नजर आते है। सड़क पर कई जगह तो ऐसी है जहां राहगीरों को गड्ढों में ही चलने को मजबूर होना पड रहा है। बारिश होते ही सड़क पर फिसलन इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि आए दिन बाइक चालक स्लिप होकर गिर रहे है। रात में दुर्घटना होने की आशंका दोगुना तक बढ़ जाती है। क्योंकि रात गड्ढे ठीक से दिखाई नहीं देते ऐसे में फिसलन बढ़ जाने के कारण हादसे होने का डर बना रहता है। क्षेत्र में

खरीफ फसल की बुवाई हो चुकी है। किसान अब फ़सल में डलने वाले खाद की व्यवस्था करने के लिए आए दिन इछावर, सीहोर जा रहे है। ऐसे में खराब सड़क उनकी राह और मुश्किल बना रही है। स्कूल भी खुल चुके है। अब ऐसे अधिक संख्या में विद्यार्थी इछावर के स्कूलो में पढ़ाई करने के लिए जा रहे है। अब ऐसे में विद्यार्थी बड़े ही रिस्क के साथ स्कूल जाने के लिए मजबूर हो रहे है।

झालकी के रहने वाले जयसिंह मालवीय ने कहा कि हमारा इछावर में एक ऑनलाइन सेंटर है। हमें प्रतिदिन इछावर जाना पड़ता है। अब ऐसे में खराब सड़क होने से हमें सात किलोमीटर को तय करने में 45 मिनट का समय लग रहा है। हमें इछावर से लौटने में रात हो जाती है। रात के समय गड्ढे भी ठीक से दिखाई तक नहीं देते। सड़क पर फिसलन बढ़ जाने से हमारी बाइक कई बार स्लिप हो चुकी है।

मानसून पूरे भारत में समय से 6 दिन पहले पहुंचा

महाराष्ट्र में दो युवक डैम में डूबे; तीन दिन में 8 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम मानसून मंगलवार (2 जुलाई) को पूरे देश में पहुंच गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि मानसून आज राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के बाकी हिस्सों में आगे बढ़ गया है। इसने तय समय से छह दिन पहले सभी राज्यों को कवर कर लिया है। आमतौर पर यह 8 जुलाई को पूरे भारत को कवर करता है।

आईएमडी ने सोमवार (1 जुलाई) को बताया था कि देश में इस साल जुलाई में 106 प्रतिशत बारिश हो सकती है। भारी बारिश से पश्चिमी हिमालयी राज्यों (जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड) और देश के मध्य भागों (मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) में नदी घाटियों में बाढ़ आने की संभावना है।

इस साल जून में 10.9 प्रतिशत बारिश की कमी दर्ज हुई है। सामान्य रूप से 165.3 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन 30 जून तक केवल 147.2 मिमी बारिश दर्ज हुई। 8 से 26 जून के बीच लगातार सामान्य से कम बारिश हुई। खासतौर पर 10 से 18 जून के बीच बारिश में भारी कमी रही।

एमपी की इकलौती हैरिटेज ट्रेन जल्द होगी शुरू

महू–पातालपानी ब्राडगेज लाइन पर स्पीड ट्रायल पूरा

इंदौर (नप्र)। मध्य प्रदेश की इकलौती हेरिटेज ट्रेन से वादियों का दीदार करने के लिए पयर्टकों को अभी एक से दो हफ्ते का और इंतजार करना पड़ सकता है। रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस साल यह ट्रेन मानसून लेट होने की वजह से रेलवे इस ट्रेन का संचालन जुलाई माह के अंत से शुरू करने की योजना बना रहा है। शुरुआत में सप्ताह में तीन दिन शुक्र, शनि और रविवार को ट्रेन चलाई जाएगी। पर्यटक संख्या बढ़ने पर सातों दिन ट्रेन चलाई जा सकती है। रेलवे इस ट्रेन को जोड़ने के लिए इस साल से चलने वाली डेमू का आज स्पीड ट्रायल रन कर लिया गया। इससे यात्रियों को यह फायदा होगा की वह इंदौर से पातालपानी तक डेमू से सीधे जा सकेंगे। पातालपानी के बाद यात्री कालाकुंड तक का रोमांचक सफर विस्टाडोम वाली हैरिटेज ट्रेन से कर सकेंगे। यानी हेरिटेज का सफर करने वाले यात्रियों को इस साल सड़क मार्ग से पातालपानी तक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस बार रेलवे इंदौर से सीधे पातालपानी तक ट्रेन संचालन करने जा रहा है। महू-पातालपानी तक करीब पांच किमी का ट्रैक तैयार हो चुका है। रविवार को इस ट्रैक पर इंजन चलाकर स्पीड ट्रायल लिया गया। अब रेलवे सेफ्टी विभाग द्वारा निरीक्षण किया जाएगा। जिसके बाद मुख्यालय से

नोटिफिकेशन आने के बाद हेरिटेज ट्रेन का संचालन भी शुरू हो जाएगा। रेलवे ने इस साल पातालपानी स्टेशन पर ब्राडगेज ट्रेन के लिहाज से एक अस्थायी प्लेटफार्म भी बनाया है।

5.5 किमी डेमू से सफर करना पड़ेगा

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन पातालपानी से कालाकुंड के बीच 10 किमी ट्रैक पर चलेगी। इस ट्रैक पर सफर के दौरान यात्री पातालपानी स्टेशन, पातालपानी वाटर फॉल, वैली ब्रिज, कालाकुंड और चार टनल के रोमांच का लुत्फ उठाएंगे। महू से पातालपानी के बीच 5.5 किमी हिस्से में यात्री को गेज परिवर्तन होने के कारण डेमू से यात्रा करना होगी। इसके बाद पातालपानी से कालाकुंड तक हेरिटेज का सफर किया जा सकेगा।

5 कोच के साथ हफ्ते में तीन दिन चलेगी ट्रेन

रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शुरुआत में पातालपानी-कालाकुंड के बीच हैरिटेज ट्रेन दो विस्टाडोम सी-1 और सी-2 (एसी चेयर-कार) कोच और दो नॉन एसीडी -1, डी -2 और डी-3 कोच के साथ चलेगी। वहीं हेरिटेज ट्रेन में आने-जाने का अलग-अलग टिकट लेना होगा। विस्टाडोम के एक कोच में 60 सीट है। इसमें एसीचेयर-कार का 265 रुपए, जबकि नॉन एसी चेयर-कार का किराया 20 रुपए प्रति टिकट रह सकता हैं। नॉन एसी चेयर-कार के दो कोच है। टिकट की बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट से ऑनलाइन या रिजर्वेशन सेंटर से की जा सकती है।

इस समय पर चल सकती है ट्रेन

ट्रेन संख्या 52965 पातालपानी कालाकुंड हैरिटेज ट्रेन 11.05 बजे पातालपानी से चल कर 13.25 बजे कालाकुंड पहुंचेगी। वहीं वापसी ट्रेन संख्या 52966 कालाकुंड पातालपानी हेरिटेज ट्रेन कालाकुंड से 15.34 बजे चल कर 16.30 बजे पातालपानी पहुंचेगी। हेरिटेज ट्रेन पातालपानी से कालाकुंड 2 घंटे में पहुंचती है। वापसी में काला कुंड से पातालपानी तक आने में ट्रेन को एक घंटा लगता है। ट्रेन काला कुंड पहुंचने के बाद वहां लोगों को घूमने के दौरान करीब दो घंटा खड़ी रहेगी। इस दौरान यात्री कालाकुंड के झरने और पहाड़ों की सैर कर सकेंगे।

2018 में हुई थी शुरुआत

पातालपानी से कालाकुंड की वादियों के ट्रैक को 2018 में हेरिटेज ट्रैक घोषित किया गया था। इसी के साथ प्रदेश की एकमात्र हेरिटेज ट्रेन की शुरुआत हुई थी। महू-पाताल पानी-कालाकुंड तक चलने वाली यह हेरिटेज ट्रेन शुरुआत से ही यात्रियों को खूब रास आई। प्रत्येक वर्ष वर्षा काल में इसका संचालन किया जा रहा था। बता दें कि यह रेलवे लाइन वर्ष 1877 में बिछाई गई थी। कुछ वर्ष पहले इस ट्रैक को बंद करने की योजना थी, लेकिन पर्यटन स्थल को देखते हुए यहां छोटी ट्रेन चालू रखी गई।

मुस्कान

10 दिन में 3 सुसाइड, तीनों हाईराइज बिल्डिंग से कूदकर

इंदौर में एक्सपर्ट्स बोले–अगर डिप्रेशन की वजह एक जैसी तो लोग फॉलो करते हैं

इंदौर (नप्र)। इंदौर में 10 दिन में 3 लोगों ने हाईराइज बिल्डिंग से कूदकर सुसाइड कर लिया। तीनों मामलों में एक बात कॉमन है, सभी ने ऊंची बिल्डिंग ढूंढी और जान दी है। बढ़ते मामले को लेकर मीडिया ने सीनियर मनोचिकित्सक और इंदौर एमजीएम के पूर्व मनोरोग विभागाध्यक्ष डॉ. राम गुलाम राजदान, मनोचिकित्सक डॉ. अभिजीत सोनी और डॉ. राहुल माथुर से बातचीत की। डॉ. राजदान कहते हैं कि 'जब एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने जान दी तब भी सुसाइड केस बढ़े थे। किसी के सुसाइड का कारण और तरीका ट्रेंड को जन्म देता है। जब कोई नए तरीके से सुसाइड करता है तो डिप्रेशन में घिरा व्यक्ति उसे फॉलो और कनेक्ट करने की कोशिश करता है। यदि कारण मैच करते हैं तो वह उसी के तरीके को अपनाने की कोशिश करता है। नए ट्रेंड इसीलिए देखने में आते हैं।' एक्सपर्ट कहते हैं कि ऐसे लोगों के डिप्रेशन को पहचाना जा सकता है। उसका लगातार मूड ऑफ रहता हो। नींद नहीं आना, नेगेटिव विचार जताना, भूख पर टालमटोल करना, मामूली बातों पर भी झल्लाते दिखे। यदि एक महीने तक लगातार किसी में ऐसे 3 से 4 लक्षण देखें तो उसे डिप्रेशन मान सकते हैं। यदि ऐसा व्यक्ति मरने-मारने की बात करता है तो उसे सामान्य ढंग से नहीं लें। उससे बात करें या परामर्श लें।

डब्ल्यूएचओ कहता है बिहेवियर को समझकर मामले रोक सकते हैं- वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन कहता है, आत्महत्या के मामलों को रोकने के लिए कीटनाशक, बंदूक और कुछ खास दवाओं को सबकी पहुंच से रोकने की जरूरत है। शुरुआती लक्षणों से इसे जल्द से पता लगाने के साथ लोगों के बिहेवियर को समझकर भी ऐसे मामले रोके जा सकते हैं।

कैसे रोक सकते हैं आत्महत्या के मामले- मुम्बई के ग्लोबल हॉस्पिटल में सीनियर कंसल्टेंट सायकियाट्रिस्ट डॉ. बांगर कहते हैं कि आत्महत्या के मामलों को कुछ हद तक रोका जा सकता है। आत्महत्या करने से पहले कुछ लोगों में खास तरह के लक्षणों को समझकर उसे रोक सकते हैं।वो घंटों किसी समस्या के बारे में सोचते रहते हैं, आत्महत्या करने की बात करते हैं या आत्महत्या करने के तरीके खोजते हैं। जल्द से जल्द वसीयत तैयार कराना, गुडबॉय मैसेज लिखना, हमेशा डिप्रेशन में रहने लगना, फोन न उठाना, खुद को सबसे अलग करना चेतावनी देने वाले लक्षण हैं।

कलेक्शन एजेंट ने की छेड़छाड़

महिला को अकेले देखकर घर में घुसा, वीडियो बनाने पर मोबाइल छीनकर फेंका

इंदौर (नप्र)। इंदौर के बाणगंगा इलाके में एक महिला से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। महिला घर पर अकेली थी। तब आरोपी लोन की किश्त लेने पहुंचा और उसने महिला को घर पर अकेले देखकर हरकत कर दी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी पर कार्रवाई की है। बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 24 साल की शादीशुदा महिला की शिकायत पर धर्मेन्द्र निवासी स्कीम नंबर 78 विजयनगर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि वह सिलाई का काम करती है। सोमवार को घर पर अकेली थी। इस दौरान धर्मेन्द्र घर पर आया। मैंने उससे कहा कि घर पर कोई नहीं है। तब धर्मेंद्र ने कहा कि सास ने लोन लिया है और उसकी किश्तें नहीं भरी है। महिला ने कहा कि वह पति को जानकारी दे देगी। इसके बाद आरोपी अंदर घुसा और महिला से अश्लील हरकत करने लगा। महिला ने अपने मोबाइल से धर्मेन्द्र का वीडियो बनाने की कोशिश की तो आरोपी ने उसका मोबाइल छीन लिया। इस मामले में पुलिस से आरोपी पर केस दर्ज किया है।

शादी के नाम पर रेप किया, फिर कहा धर्म बदलो

तलाकशुदा इवेंटकर्मी हिंदूवादी नेताओं के साथ पुलिस के पास पहुंची

इंदौर (नप्र)। इंदौर में इवेंट कर्मचारी के साथ रेप और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। खजराना पुलिस ने इस मामले में आरोपी पर केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। खजराना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आशू उर्फ समीर पुत्र करामत पटेल निवासी पटेल नगर ग्राम मस्जिद के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने पहले शादी का झांसा देकर रेप किया। शादी बात की तो आरोपी ने कहा कि वह मुस्लिम है, इसलिए पहले धर्म बदलो फिर शादी करूंगा। पीड़िता ने इस बात से इनकार किया तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस के मुताबिक पीड़िता 24 साल की है। उसका पति से 1 साल पहले तलाक हो चुका

है। इसी दौरान वह खजराना इलाके में किराये के मकान में रहने पहुंची। वह इवेंट ऑर्गेनाइज करती है। काम के सिलसिले में करीब एक साल पहले उसका लाइट हाउस क्लब जाना हुआ। यहां आशू से मुलाकात हुई। आशू ने अपना धर्म छिपाकर दोस्ती की। फिर वह पीड़िता के घर आने-जाने लगा। उसने तीन माह पहले संबंध बनाए और कहा कि जल्द ही शादी कर लेंगे।

इस दौरान कई बार उसने रेप किया। एक दिन शादी की बात निकली तो आशू ने कह दिया कि पहले धर्म परिवर्तन करना पड़ेगा। तुम्हें मुस्लिम धर्म अपनाना पड़ेगा। तब पूछताछ करने पर पता चला कि उसका पूरा नाम समीर पटेल है। इस बात को लेकर झगड़ा हुआ। पीड़िता ने मुस्लिम धर्म अपनाने से इनकार कर दिया। इस पर आशु ने मारपीट कर गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। 29 जून को आशु पीड़िता से मिलने और झगड़ा किया फिर जबरदस्ती सबंध बनाए। 30 जून को ऐसा ही किया। मैंने पुलिस से शिकायत की बात कही तो बोला अकेले रहती हो तुम्हारी कोई नहीं सुनेगा। बदनामी भी होगी। बाद में हिंदूवादी नेताओं के साथ जाकर पुलिस से शिकायत की।

वाइन शॉप कैशियर से 4.15 लाख लूटे

अगले दिन उसी जगह से 500 मीटर दूरी पर पंडित का मोबाइल लूटा

इंदौर (नप्र)। इंदौर के छत्रीपुरा में एक ही जगह पर दो दिन में दो लूट की वारदातें हो गई। पहली लूट शराब दुकान के कैशियर के साथ हुई। जिसमें बदमाशों ने चाकू की नोक पर 4.15 लाख लूट कर ले गए। वहीं दूसरी लूट दोपहर में इसी घटनास्टल से 200 मीटर की दूरी पर हुई। यहां पंडित का भरी दोपहर में मोबाइल लूटकर ले गए। पंडित ने मामले में सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपे हैं। अब उस पर जांच की जा रही है। छत्रीपुरा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक लूट की वारदात ओमप्रकाश पुत्र तोताराम जायसवाल निवासी सुगंध रेसीडेंसी की शिकायत पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि ओमप्रकाश कालानी नगर में शराब दुकान पर कैशियर हैं। रविवार रात दुकान का कलेक्शन के 4.5 लाख रुपए सफेद थैली में रखकर बाइक से निकले थे। वह क्लाथ मार्केट अस्पताल रोड से रात करीब 12 बजे के लगभग निकल रहे थे। तब दो बदमाशों ने उन्हें रोका और चाकू दिखाकर बाइक से बैग लेकर माली मोहल्ले की तरफ फरार हो गए। डर के चलते वह पहले घर गए। यहां से मैनेजर हेमंत भालसे को जानकारी दी। सोमवार को उन्होंने मालिक अर्पित चौकसे को पूरी बात बताई। इसके बाद थाने आकर केस दर्ज कराया। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। इधर पूरे मामले को संदिग्ध तरीके से भी देखा जा रहा है। अफसर जल्द ही खुलासे की बात कह रहे हैं।

500 मीटर की दूरी पर लूटा मोबाइल- इसी थाना इलाके में सोमवार दोपहर करीब 3.30 बजे के लगभग बदमाशों ने मधुकांत व्यास का मोबाइल लूट लिया। वह दोपहर में अपने घर की तरफ जा रहे थे। रास्ते में उन्हें कॉल आया वह रुके तो बदमाशों ने हाथ से मोबाइल लूटा और फरार हो गए। वह मामले की जानकारी देने थाने पहुंचे। पहले पुलिस ने आवेदन देने की बात की। तब मधुकांत व्यास से खुद सीसीटीवी फुटेज निकाले और पुलिस को सौंपे। इसके बाद मंगलवार को पुलिस ने अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

नर्सिंग घोटाले के विरोध में यूथ कांग्रेस का सत्याग्रह

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पहुंचे

भोपाल (नप्र)। मप्र के बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले के विरोध में मप्र युवा कांग्रेस द्वारा 24 घंटे का सत्याग्रह बोर्ड ऑफिस पर शुरू हो गया है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी सत्याग्रह स्थल पर पहुंच गए हैं। इस दौरान छात्राओं ने उन्हें अपनी परेशानी बताई। जीतू पटवारी ने कहा कि इस मामले में सरकार छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर रही है। इस मामले में बड़े अफसरों और जिम्मेदार मंत्री को छोड़ा जा रहा है। मंत्री का इस्तीफा लिया जाना चाहिए। यूथ कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने कहा कि नर्सिंग घोटाले की वजह से हजारों नर्सिंग छात्रों का भविष्य बर्बाद हुआ है। वहीं व्यापमं के बाद नर्सिंग का इतना बड़ा घोटाला सामने आने के बाद देश भर में की छवि खराब हुई है। यदि सरकार जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं करेगी तो आने वाले समय में भी घोटाले नहीं रुकेंगे।

कल कांग्रेस ने किया था मंत्री के बंगले का घेराव

कल सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता मंत्री विश्वास सारंग के बंगले का घेराव करने जा रहे थे। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया था। लेकिन, कांग्रेस कार्यकर्ता जब नहीं माने तो पुलिस ने वाटर कैनन का प्रयोग किया था।

कोर्ट पेशी पर नेपाली का मर्डर करना चाहता था सुनील

इंदौर में गैंगवार में नया खुलासा; सुनील की एक दिन पहले हुई हत्या

इंदौर (नप्र)। इंदौर के द्वारकापुरी में गैंगस्टर महेश टोपी से जुड़े गुंडे सुनील चौहान की हत्या के आरोपी हर्ष गोयल सहित चारो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया है। बयान में युवती की बात भी सामने आई थी। लेकिन आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वारदात के समय वहां पर सुनिल को मिलाकर पांच लोग ही मौजूद थे। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ कि महेश टोपी का साथी सुनील चौहान विरोधी गैंगस्टर शुभम नेपाली का मर्डर करना चाहता था। शुभम अभी जेल में है। सुनील का प्लान था कि कोर्ट पेशी में आने पर शुभम की हत्या कर दी जाए। लेकिन उससे पहले उसका खुद का मर्डर हो गया। पुलिस इसमें हर्ष का बैकग्राउंड और उसका विरोधी गैंगस्टर शुभम से कनेक्शन तो नहीं है, यह पता कर रही है। द्वारकापुरी टीआई आशीष सप्रे की टीम लगातार हर्ष के दोस्त तलाश कर रहे थे रात में सभी आरोपी गिरफतार हो गए। इधर जानकारी मिली है कि महेश टोपी जेल से छूटने के बाद इलाके में कम आता जाता था। लेकिन सुनील से वह लगातार संपर्क में था। जानकारी के

मुताबिक सुनील खुद पर 6 महीने पहले हुए हमले के बाद से शुभम नेपाली की हत्या की प्लानिंग कर रहा था। कोर्ट पेशी के दौरान उस पर हमले की योजना भी बनी। लेकिन इसकी जानकारी नेपाली को लगी तो वह अलर्ट हो गया और जेल में बैरक भी बदलवा ली थी। इसके बाद सुनील और महेश टोपी उसके जेल से छूटने का इंतजार करने लगे।

इलाके में पांच लोगों की टीम बेच रही थी गांजा

आरोपियों को जेल भेजने के बाद भी पुलिस इलाके में गांजा और ब्राउन शुगर बेचने पर रोक नहीं लगा पाई थी। बताया जाता है कि लाल बाउंडरी के यहां पांच लोगों की टीम मिलकर नशा बेच रही थी। यहां मोबाइल नंबर और टोकन से अवैध नशा बिक रहा था। पांच लोगों की टीम बनाकर अलग-अलग तरीके से यहां नशे की सप्लाई की जा रही थी।

महिला ने जज के सामने लगाये पुलिस पर आरोप

द्वारकापुरी में दो दिन पहले ही मीना उर्फ नंदा निवासी दिग्विजय नगर मल्टी को द्वारकापुरी पुलिस ने पकड़ा था। उसके पास से 1 किलो 800 ग्राम गांजा मिला था। महिला को कार्रवाई कर कोर्ट में पेश किया गया। यहां पर नंदा ने द्वारकापुरी पुलिस पर ही नशा बेचने का आरोप लगाया। कुछ पुलिसकर्मियों के नाम जज के सामने बताए और उनसे लेनदेन की बात की। जज ने वहां डायरी में पुलिसकर्मी का नाम लिखा। इस मामले में थाने पर पुलिसकर्मियों के बीच इस बात की चर्चा होती रही अगले दिन ही रविवार रात नशे के कारोबार से जुड़े सुनील की हत्या हो गई।

एमबायएच में नर्सिंग ऑफिसर और क्लर्क में मारपीट

फॉर्म-16 को लेकर विवाद; एफआईआर नहीं होने पर नर्सिंग ऑफिसर्स ने दी हड़ताल की चेतावनी

इंदौर (नप्र)। एमवाय हॉस्पिटल में सोमवार को नर्सिंग ऑफिसर और क्लर्क में विवाद हो गया। इस दौरान मारपीट भी हुई। घटना की शिकायत संयोगितागंज पुलिस और सुपरिनटैंडैंट को की गई है। नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि अगर एफआईआर दर्ज नहीं की तो वे मंगलवार को हड़ताल करेंगे। घटना शाम 4 बजे एमवायएच के अकाउंट विभाग में हुई। मनोरोग विभाग में पदस्थ नर्सिंग ऑफिसर राकेश शर्मा ड्यूटी

खत्म कर फॉर्म-16 के संबंध में अकाउंट विभाग में जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने बाहर एक जूनियर क्लर्क से फॉर्म-16 के बारे में पूछा तो उसने कहा कि यह मामला यूडीसी मनोहर सेहलोत देख रहे हैं। इस पर शर्मा वहां बैठे सेहलोत के पास गए कि मेरा फॉर्म-16 में अभी तक करेक्शन नहीं हुआ। सेहलोत ने कहा कि अभी 10-15 फॉर्म सीए के पास हैं जो अभी तक नहीं आए हैं। इस पर शर्मा ने नाराजगी जताई तो सेहलोत ने कहा कि आप खुद ही सीए से पूछ लें। इस पर बात बढ़ी और विवाद शुरू हो गया। शर्मा का आरोप है कि सेहलोत ने मेरे गले पर मुक्का मारा और धमकी दी। उधर सेहलोत का कहना है कि मेरे साथ भी मारपीट हुई और जाति सूचक शब्द कहे। रात को शर्मा संयोगितागंज पुलिस को लिखित शिकायत की। देर रात तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी। इससे नाराज नर्सिंग ऑफिसर्स ने चेतावनी दी कि अगर पुलिस ने एक्शन नहीं लिया तो मंगलवार सुबह से सभी नर्सिंग ऑफिसर्स हड़ताल पर रहेंगे।

महापौर और निगम कमिश्नर ने देखी शहर की सफाई व्यवस्था

महापौर बोले – ग्रीन कवरेज बढ़ाने वाले शहर के सभी वार्डों के 85 मकान को मिलेगा ग्रीन अवॉर्ड

इंदौर (नप्र)। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने मंगलवार को विजयनगर, स्कीम नंबर 78, निरंजनपुर, सयाजी चौराहा और अन्य क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था, होम कंपोस्टिंग और वाटर रिचार्जिंग सिस्टम का निरीक्षण किया। महापौर और कमिश्नर ने निरीक्षण की शुरुआत रसोमा चौराहे के पास स्थित नाले की सफाई व्यवस्था से की। इसके बाद विजयनगर चौराहा क्षेत्र और स्कीम नंबर 78 निरंजनपुर चौराहा में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। सयाजी चौराहा और अन्य क्षेत्रों में भी वाटर रिचार्जिंग सिस्टम और सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान महापौर और आयुक्त ने आवश्यक सुधार के दिशा निर्देश भी दिए। स्कीम नंबर 78 निरंजनपुर क्षेत्र में नागरिकों द्वारा की जा रही होम कंपोस्टिंग व्यवस्था का भी अवलोकन

किया। उन्होंने होम कंपोस्टिंग को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महापौर भार्गव ने इंदौर शहर के ग्रीन कवरेज को बढ़ाने के लिए नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे 51 लाख पौधारोपण अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत शहर के समस्त 85 वार्ड में जिस मकान में सबसे अधिक ग्रीनरी होगी ऐसे 85 मकान स्वामियों को 'ग्रीन अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा। नगर निगम द्वारा अपने बजट में ग्रीन कवरेज को बढ़ाने वाले व्यक्तियों और संगठनों के लिए ग्रीन अवार्ड का प्रावधान किया जाएगा।

इंदौर में रिटायर्ड प्रिंसिपल ने किया सुसाइड

बीमारी से थी परेशान, जीएसीसी कॉलेज में रही, बेटी लंदन से कर रही पढ़ाई

इंदौर (नप्र)। इंदौर के कनाड़िया में रहने वाली कॉलेज की एक रिटायर्ड प्रिंसिपल ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। वह अकेली रहती थी। बताया जाता है कि कुछ समय से पेट की बीमारी से परेशान चल रही थी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। कनाड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक वंदना अग्निहोत्री (62) निवासी गोल्फ लिंक सिटी का शव सोमवार दोपहर में उनके घर में फंदे पर टंगा मिला। पुलिस का मानना है कि उन्होंने बीमारी से तंग आकर जान दी है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक उनकी एक बेटी है। जो लंदन में पढ़ाई कर रही है। वह पूर्व में जीएसीसी कॉलेज से कार्यरत थी। पुलिस के मुताबिक सुसाइड नोट भी लिखा है। इसमें बीमारी की बात का उल्लेख किया गया है। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर लिया है।

संपादकीय

चेक पोस्ट के साथ भ्रष्टाचार भी रूके

केन्द्र सरकार और ट्रांसपोर्टरों के भारी दबाव तथा इन चेक पोस्टों पर हो रहे बेखौफ भ्रष्टाचार की शिकायतों के बाद अंततः मप्र की मोहन यादव सरकार ने प्रदेश की सीमा पर बने पुराने अवैध परिवहन चेक पोस्ट बंद कर दिए हैं। यह मोहन सरकार का सही और समयोचित फैसला है। साथ ही भ्रष्टाचार पर अंकुश के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति को दर्शाता है। लेकिन अब खुलासा इस बात का भी होना चाहिए कि ये अवैध चेकपोस्ट इतने साल चल कैसे रहे थे, किसकी शह पर ऐसा हो रहा था और इन चेक पोस्टों पर हर साल होने वाले अरबों रू.. की वसूली का पैसा किसकी जेब में गया? इसके पहले गुजरात ने ऐसे चेकपोस्टों को बंद कर ट्रांसपोर्टरों को राहत दी थी। अब नई परिवहन व्यवस्था के तहत मध्य प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में उड़नदस्ते काम करेंगे। वहीं परिवहन चौकियों की जगह रोड सेफ्टी एंड इनफोर्समेंट पॉइंट के रूप में चेकिंग पॉइंट काम करेंगे। इसके लिए कुल 45 चेक पॉइंट बनाए गए हैं, जिनके माध्यम से नजर रखी जाएगी। जानकारी के मुताबिक, प्रत्येक चेक प्वाइंट पर 3 कंप्यूटर ऑपरेटर और एक कंप्यूटर सुपरवाइजर तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा 94 मोबाइल यूनिट भी तैनात की गई हैं, जिनमें 211 होमगार्ड नजर रखेंगे। इसके लिए परिवहन और पुलिस विभाग को पूरे तालमेल के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं। इसे लेकर अपर मुख्य सचिव परिवहन ने प्रमुख सचिव गृह को चिट्ठी लिखी है। 135 कम्प्यूटर ऑपरेटर और 45 कम्प्यूटर सुपरवाइजर आउटसोर्स पर मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रानिक्स विकास निगम या सेडमैप के माध्यम से परिवहन विभाग में सेवाओं के लिए बुलाए जाएंगे। सभी 45 रोड सेफ्टी एंड इंफोर्समेंट चेकिंग पाइंट पर एक प्रभारी के रूप में 58 परिवहन इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, एएसआई की तैनाती की जा सकेगी। 211 होमगार्ड की सेवाएं भी प्रतिनियुक्ति पर मांगी गई हैं। गौरतलब है कि देश भर के ट्रांसपोर्टरों ने मप्र की सीमा पर स्थित चेक पोस्टों पर ट्रक ड्राइवरों से अवैध वसूली की शिकायतें लंबे समय से की जा रही थीं। जबकि अगस्त 2027 में जीएसटी लागू होने के बाद चेक पोस्ट व्यवस्था समाप्त हो गई थी, लेकिन मप्र में यह चालू थी। क्योंकि इससे सभी के हित सधते थे और इस अवैध व्यवस्था को सरकार के उच्च स्तर पर कहीं हरी झंडी थी। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भी इस सम्बंध में मप्र सरकार को चिट्ठी लिखी थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। हालांकि नई व्यवस्था के बाद चेक पोस्टों पर भ्रष्टाचार रूकेगा या और बढ़ जाएगा, इसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। क्योंकि बागड़ ही खेत खाने लगे तो कोई भी उपाय बेकार ही साबित होगा।

पांढुर्णा में सिर्फ 9 और मैहर में 25 बेरोजगार- आंकड़ों के मुताबिक विधानसभा चुनाव से पहले अस्तित्व में आए जिलों में पांढुर्णा में सबसे कम 9 बेरोजगार हैं। इनमें तीन पुरुष और 6 महिलाओं के नाम जिला रोजगार केंद्र में दर्ज हैं। मैहर में 25 बेराजगार हैं। इनमें 17 पुरुष और 8 महिलाएं हैं। वहीं, मऊगंज में 144 युवा बेरोजगार हैं। इनमें 116 पुरुष व 28 महिलाएं शामिल हैं।

दावा- तीन साल में 2.32 लाख को ऑफर लेटर दिए- विधायक बाला बच्चन ने एक जुलाई 2021 से अब तक रोजगार मेलों के माध्यम से दिए गए ऑफर लेटर की भी जिलावार जानकारी मांगी थी। जवाब में बताया गया कि तीन साल में 2.32 लाख युवाओं को रोजगार दिया गया है। 1 जुलाई 2021 से 31 मार्च 2022 तक 1,11,351 युवाओं को, वर्ष 2022-23 में 68,098, वर्ष 2023-24 में 52,846 ऑफर लैटर दिए गए हैं। वहीं, वर्ष 2024-25 में 31 मई तक किसी भी बेरोजगार को भी ऑफर लैटर नहीं दिया गया है।

नजरिया

आरके सिन्हा

लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

पांच करोड़ मामलों में न्याय का इंतजार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पटना हाई कोर्ट के 100 साल पूरा होने के मौके पर देश की अदालतों में लंबित मामलों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई थी। यह बात 2016 की है। वे जब अपना वक्तव्य दे रहे थे तब देश के चोटी के वकील, जज और अन्य गणमान्य लोग वहां मौजूद थे। सारा देश जानता है कि देश की निचली से लेकर उच्चतम न्यायालयों तक में मामलों की संख्या लाखों-करोड़ों हो चुकी है और बढ़ती ही चली जा रही है। इस कारण न्याय पाने वालों को अभूतपूर्व देरी का सामना करना पड़ रहा है। उम्मीद करनी चाहिए कि प्रधानमंत्री के रूप में अपनी तीसरी पारी में मोदी जी लंबित मामलों से जूझ रही देश की न्याय व्यवस्था में सुधार करेंगे। अगर यह होता है, तो डॉ. शीला मेहरा जैसे करोड़ों लोगों को राहत मिलेगी।

देवकी नंदन पांडे, विनोद कश्यप और अशोक वाजपेयी जैसे दिग्गज हिन्दी न्यूज रीडरों के साथ, डॉ. शीला मेहरा ने ऑल इंडिया रेडियो से दशकों तक देश-दुनिया को अपनी धीर-गंभीर आवाज में खबरें सुनाई हैं। भारत की कई पीढ़ियों ने इन सबकी गहरी आवाज और स्पष्ट उच्चारण में खबरों को पढ़ते हुए सुना है। जिन दिनों रेडियो की मार्फत देश समाचार सुनता था, तब डॉ. शीला मेहरा किसी सेलेब्रिटी से कम नहीं थीं। लगभग एक दशक पहले सरकारी नौकरी से रिटायर होने के बाद, उनका जीवन बदल गया। उसके बाद वो अपने पति, श्री आर.के. मेहरा के साथ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के धक्के खाने लगीं। कारणः मेहरा दंपत्ति ने गाजियाबाद में 25 हजार रुपये में ज़मीन खरीदी थी। यह 1970 के दशक के शुरुआत की बात है। इनकी तरह कई अन्य लोगों ने भी गाजियाबाद में जमीनें खरीदी थी। दिल्ली के कोलाहल से दूर घर बनाने की उनकी उम्मीद 1975 में जीडीए द्वारा उनकी जमीन अधिग्रहण करने के साथ ही चकनाचूर हो गई। उस समय जीडीए को आवास विकास के नाम से जाना जाता था। जीडीए ने अधिग्रहीत जमीन पर बाद में प्रताप विहार को विकसित किया, लेकिन उन सभी किस्मत के मारे लोगों को एक पैसा भी नहीं मिला जिनकी ज़मीन अधिग्रहीत की थी। वे सब के सब नौकरी पेशा लोग थे।

अपने भाग्य को कोसने के बजाय, डॉ. शीला मेहरा, उनके पति और बाकी लोग अपनी अधिग्रहीत जमीन का उचित और न्यायसंगत मुआवज़ा पाने के लिए जीडीए से लड़ रहे हैं। मेहरा दंपती ने 2 फरवरी, 1978 को गाजियाबाद की निचली अदालत में मुकदमा दायर किया ताकि उन्हें मुआवज़ा मिल सके। उन्हें और शेष

लोगों को जीडीए के शीर्ष अधिकारियों से आश्वासन के अलावा, कुछ भी हासिल नहीं हो रहा है। वे अपने वकीलों को फीस दे रहे हैं, हालाँकि उनकी आय के स्रोत बहुत कम हैं। कब जीडीए से मुआवज़ा पाने के लिए लड़ रहे लोगों को न्याय मिलेगा? जीडीए जैसे विभागों के कामकाज को जानने वाले कहते हैं कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक आदेश से सैकड़ों असहाय लोगों को उनका हक मिल सकता है। जब इन लोगों को जीडीए से न्याय नहीं मिला तो इन्होंने गाजियाबाद की निचली अदालत में 1978 मुकदमा दायर किया था। इन्हें अदालत से नियमित तौर पर तारीखें मिलती हैं। अदालत की तारीख के दिन, पाँच लोगों को वहाँ मौजूद रहना होता है। वे केस के जज, मुकदमे के वादी, उनके वकील, जीडीए के वकील और जीडीए के अधिकारी। पर अफसोस कि ये सब तारीख वाले दिन कभी मिल नहीं पाते। कोई न कोई जरूर ही गैर-हाजिर रहता ही है जिससे मामला टलता ही जाता है।

यह गंभीर चिंता का विषय है कि देश की विभिन्न अदालतों में लंबित मामलों की संख्या पाँच करोड़ को पार कर गई है, जैसा कि 20 जुलाई, 2023 को राज्यसभा को बताया गया। देश के तब के विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट, 25 उच्च न्यायालयों और अधीनस्थ न्यायालयों में 5.02 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं।

भारत में 2022 में जजों की स्वीकृत संख्या प्रति दस लाख आबादी पर 21.03 की थी। जजों की कुल स्वीकृत संख्या सर्वोच्च न्यायालय में 34, उच्च न्यायालयों में 1108, और जिला अदालतों में 24,631 थी। भारत के विधि आयोग और न्यायमूर्ति वी एस मलीमथ की समिति ने जजों की संख्या प्रति दस लाख आबादी पर 50 तक बढ़ाने की सिफारिश की थी। जजों की स्वीकृत संख्या निर्धारित होने के बावजूद, भारत की अदालतों ने जजों की रिक्ति के कारण काफी समय से पूरी क्षमता में काम नहीं किया है।

एक विचार यह भी है कि अदालतों में लंबित मामलों का निपटान न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। सरकार का अदालतों में मामलों के निपटान में कोई सीधा हस्तक्षेप नहीं है। लेकिन, विशेषज्ञों का कहना है कि केंद्र और राज्य सरकारें भी मामलों के निपटान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि उत्तर प्रदेश के तेज-तर्रार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जीडीए को निर्देश दें तो मुआवज़ा चाहने वालों को तुरंत न्याय मिल सकता है। इससे डॉ. शीला मेहरा जैसे लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाई जा सकती है।

पिछली 17 फरवरी को, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा था, 'निचली अदालतें ही हैं जहाँ समस्याओं का समाधान शुरू होता है, वहाँ ध्यान देने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट में ऐसे कई मामले बढ़ रहे हैं जो खुद निचली अदालत में ही निपटने चाहिए।' लेखक सलमान रुश्दी की दिल्ली के पॉश एरिया फ्लैग स्टाफ रोड में पैतृक संपत्ति का कोर्ट में बीती आधी सदी से चल रहा कानूनी विवाद इस बात की चीख-चीख कर पुष्टि करता है कि हमारे यहां कोर्ट के रास्ते से न्याय पाना कितना कठिन और थकाने वाली प्रक्रिया है। बेशक, भारत की विधि व्यवस्था पर सवाल खड़ी करती है न्याय मिलने में होने वाली अभूतपूर्व देरी। इस तरफ तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। जरा सोचिए कि जब सलमान रुश्दी जैसी अंतरराष्ट्रीय शख्सियत को न्याय के लिए इतना जूझना पड़ रहा है, तो आम इंसान की कोर्ट में क्या हालत होती होगी। हमारे यहां कहा ही जाता है कि किसी को प्रताड़ित करना है तो उसे किसी कानूनी केस में फंसा दो या फिर पुरानी यानी सेकिंड हैंड कार दिलवा दो। आप देश के किसी भी भाग में निचली अदालतों से लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाकर देख लें। वहां पर आपको इंसाफ के लिए जूझते बेबस लोग मिलेंगे।

'न्याय में देरी, न्याय से वंचित होना' एक पुरानी कहावत है। अब समय आ गया है कि डॉ. शीला मेहरा और सलमान रुश्दी जैसे करोड़ों लोगों को सस्ता और त्वरित न्याय प्रदान किया जाए।

पहल

अमित बैजनाथ गर्ग

लेखक पत्रकार हैं।

ऊर्जा दक्षता के लिए छोटे-छोटे प्रयास जरूरी

हाल ही में इटली के अपुलिया में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में एक बार फिर ऊर्जा क्षेत्र को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। यह दुनिया में ऊर्जा क्षेत्र के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। सम्मेलन में कहा गया है कि दुनिया के सात सर्वाधिक संपन्न देशों का समूह जी-7 जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करेगा और ऊर्जा के बदलते स्रोतों को अपनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाएगा। सम्मेलन की समाप्ति पर समूह की तरफ से जारी मसौदा बयान में यह बात कही गई। मसौदे में कहा गया है कि हम जीवाश्म ईंधन पर धीरे-धीरे व्यवस्थित ढंग से निर्भरता कम करेंगे। 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए इस दशक में हम मिलकर गंभीरता से प्रयास करेंगे। इस दस्तावेज में कहा गया है कि 2035 तक कोयला आधारित बिजली उत्पादन में कटौती की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

गौरतलब है कि बीते अप्रैल महीने में जी-7 देशों के वित्त मंत्री इस प्रस्ताव पर सहमत हुए थे। वहीं सम्मेलन में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत का दृष्टिकोण चार सिद्धांतों उपलब्धता, पहुंच, सामर्थ्य और स्वीकार्यता पर आधारित है। हम 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। मोदी ने वैश्विक नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें मिलकर आने वाले समय को हरित युग बनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत कॉप के अंतर्गत ली गई सभी प्रतिबद्धताओं को समय से पहले पूरा करने वाला प्रथम देश है। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करते हुए यह भी कहा कि हमें मिलकर आने वाले समय को ग्रीन एरा बनाने का हर संभव प्रयास करना चाहिए।

आखिर क्यों बार-बार एनर्जी सेक्टर पर इतनी गंभीरता से बातचीत की जा रही है? क्यों वैश्विक मंचों पर इस मुद्दे को हर बार उठाया जा रहा है? असल में दुनिया ऊर्जा के क्षेत्र में संकटों का सामना कर रही है। सभी इस बात को समझ चुके हैं कि इस क्षेत्र पर अभी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाला समय बहुत चुनौतीपूर्ण होगा। उभरते ऊर्जा संकट, घटते जीवाश्म ईंधन संसाधनों और उच्च तेल की कीमतों के साथ जलवायु परिवर्तन की चिंताओं ने बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए नवीकरणीय, वैकल्पिक, पर्यावरण अनुकूल और कार्बन तटस्थ ईंधन के विकास की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। अधिकांश ऊर्जा संकट स्थानीय कमी, युद्ध और बाजार में हेरफेर के कारण हुए हैं। कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि कर वृद्धि, ऊर्जा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण और इस क्षेत्र के विनियमन जैसी सरकारी कार्रवाई ने इस संकट को बढ़ाया है।

जहां तक भारत की बात है, तो इसके ऊर्जा संकट से निपटने की राह में कई चुनौतियां हैं। पहली बात तो यह है कि सभी के पास सीमित ऊर्जा संसाधन हैं। भारत के पास कोयला, तेल और गैस जैसे सीमित ऊर्जा संसाधन ही मौजूद हैं और यह अपनी बढ़ती ऊर्जा मांगों की पूर्ति के लिए आयात पर निर्भर है। वित्त वर्ष 2023 के लिए पेट्रोलियम आयात का अनुमानित मूल्य करीब 210 बिलियन अमेरिकी डॉलर आकलित किया गया है। इसमें कच्चे तेल के लिए 163 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात मूल्य और एलएनजी एवं एलपीजी के लिए क्रमशः 17.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर एवं 14 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात मूल्य शामिल है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कच्चे तेल के आयात में 53 फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं कोयला भंडार कमजोर हैं और उनके निष्कर्षण एवं उपयोग से महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चिंताएं जुड़ी हुई हैं। परिणामस्वरूप भारत ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश कर रहा है, जैसे कि सौर, पवन और जल विद्युत।

देश के ऊर्जा क्षेत्र में अभी अपर्याप्त निवेश है। देश के ऊर्जा क्षेत्र को अपने बुनियादी ढांचे में सुधार और अपनी ऊर्जा क्षमता का विस्तार करने के लिए वृहद निवेश की आवश्यकता है, लेकिन सरकार और निजी क्षेत्र ऊर्जा क्षेत्र में पर्याप्त निवेश नहीं कर पा रहे हैं। देश की निम्न प्रति व्यक्ति आय और उच्च गरीबी दर भी लोगों के लिए स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का वहन कर सकना कठिन बनाती है। वहीं इस क्षेत्र में राजनीतिक और नियामक बाधाएं भी हैं। देश का ऊर्जा क्षेत्र अत्यधिक विनियमित या नियंत्रित है और इसमें सुधार की राह में उल्लेखनीय बाधाएं मौजूद हैं। इसमें एजेंसियों में समन्वय की कमी एक प्रमुख घटक है। गौरतलब है कि भारत विश्व के सबसे बड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जकों में से एक है और इसका ऊर्जा क्षेत्र इन उत्सर्जनों का एक प्रमुख योगदानकर्ता है। वहीं जलवायु परिवर्तन देश की ऊर्जा अवसंरचना को भी प्रभावित कर रहा है, क्योंकि मौसमी घटनाओं की आवृत्ति बढ़ती जा रही है।

एक अध्ययन के अनुसार, देश में एलईडी बल्ब एवं ट्यूबलाइट के इस्तेमाल से उजाले के लिए खर्च होने वाली बिजली में करीब 75 फीसदी की कमी आई है। भवनों में बिजली की खपत को लेकर भी कई अध्ययन हुए हैं, जो बताते हैं कि ऊर्जा दक्ष उपकरणों के इस्तेमाल से करीब 30 फीसदी बिजली खपत कम की जा सकती है यानी भवनों में 1.20 लाख गीगावाट बिजली बचाए जाने की संभावनाएं मौजूद हैं। अध्ययन बताते हैं कि ऊर्जा दक्षता के मानकों को लागू कर घरेलू और आवासीय भवनों में बड़े पैमाने पर बिजली को बचाया जा सकता है। यदि भवनों में ऊर्जा दक्षता के मानक लागू हो जाएं, तो अतिरिक्त 30 फीसदी बिजली बच सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में उद्योग जगत सबसे ज्यादा करीब 42 फीसदी बिजली खर्च करता है। दूसरे नंबर पर घरेलू क्षेत्र 24 फीसदी बिजली खर्च करता है। व्यावसायिक भवनों में बिजली की खपत आठ फीसदी है। भवन क्षेत्र की कुल खपत 32 फीसदी है, लेकिन भवनों में ऊर्जा दक्षता के मानकों का क्रियान्वयन सबसे कम हुआ है।

असल में देश में ऊर्जा क्षेत्र में त्वरित सुधारों की दरकार है। सबसे पहले तो आयात पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू कोयले की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान देना होगा। इसे कोयले के कैलोरी मान को बढ़ाने और राख की मात्रा को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी में निवेश कर प्राप्त किया जा सकता है। वहीं नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित करना होगा। देश में सौर, पवन और जल विद्युत जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की अपार क्षमता मौजूद है। सरकार को प्रोत्साहन राशि और सब्सिडी के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास को प्रेरित करना चाहिए। कार्बन मूल्य निर्धारण नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने में मदद कर सकता है। वहीं ऊर्जा के कुशल संचरण और वितरण को सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा अवसंरचना के विकास में निवेश करना होगा। यह मौजूदा अवसंरचना के उन्नयन और नए बिजली संयंत्रों, पाइपलाइनों और ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण के माध्यम से हासिल हो सकता है।

वैश्विक ऊर्जा संकट के कई संभावित समाधान पहले से ही मौजूद हैं, लेकिन उनका व्यापक रूप से उपयोग नहीं किया जा रहा है। सबसे अच्छा समाधान यह है कि गैर-नवीकरणीय संसाधनों पर दुनिया की निर्भरता को खत्म किया जाए और समग्र संरक्षण प्रयासों में सुधार किया जाए। औद्योगिक युग का अधिकांश हिस्सा जीवाश्म ईंधन पर आधारित था और प्रसिद्ध तकनीक भाप, सौर और पवन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा के अन्य रूपों का उपयोग करती है। पीले बल्बों की जगह सीएफएल और एलईडी लगाएं। वे कम ऊर्जा की खपत करते हैं और लंबे समय तक चलते हैं। अगर दुनिया में लाखों लोग आवासीय और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए एलईडी और सीएफएल का उपयोग करते हैं, तो ऊर्जा की मांग कम होगी और संकट से बचा जा सकेगा। जो लोग विभिन्न तरीकों से बिजली पैदा करते हैं, उन्हें इसे ग्रिड में डालने और अपनी ऊर्जा के लिए क्रेडिट प्राप्त करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

इसके अलावा, सौर पैनलों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जानी चाहिए ताकि जनता को अक्षय ऊर्जा विकल्पों की जांच करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। ज्यादा स्टार वाले उपकरण खरीदे जाने चाहिए, इससे बिजली की बचत होगी। घरों, भवनों में इस्तेमाल होने वाले बिजली उपकरणों की सूची में सौ से भी ज्यादा उपकरण आते हैं। यह सुनिश्चित करना होगा कि भवनों में इस्तेमाल होने वाले सभी ऊर्जा उपकरण दक्षता मानकों के दायरे में हों और उन्हें स्वैच्छिक नहीं, बल्कि अनिवार्य रूप से लागू किया जाए। वहीं बिना रेटिंग वाले उपकरणों की बिक्री पर रोक होनी चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले कुछ सालों में लोगों में ऊर्जा दक्षता को लेकर चेतना बढ़ी है, लेकिन अभी भी जागरूक होने की दरकार है। हमें छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना होगा। इस तरह छोटे-छोटे प्रयासों से हम बिजली की बचत कर सकते हैं और हम सभी को ऐसे प्रयासों को अपनाना ही होगा।

शिक्षक और पालक में अविश्वास घातक

विचार

संदीप कुलश्रेष्ठ

प्राचीनकाल में जब गुरूकुल व्यवस्था थी, तब गुरू बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार होता था। गुरू बच्चे में अच्छे संस्कार के साथ नैतिक गुणों का भी विकास करता था। तब बच्चे गुरूकुल में रहते हुए शिक्षा ग्रहण के साथ-साथ जीवन का पाठ भी पढ़ते थे। इसमें उसे समस्त कार्य स्वयं के द्वारा करना अनिवार्य होता था। प्रातः उठने से लेकर सोने तक का कार्य बच्चे खुद अपने हाथों से करते थे। कोई काम छोटा-बड़ा नहीं होता था। तब गुरू और पालक में पूर्ण विश्वास होने के कारण बच्चे का सर्वांगीण विकास हो पाता था। आज शिक्षक और पालक में अविश्वास समाज के लिए घातक सिद्ध हो रहा है।

सुधारात्मक समझाइश या दंड देना अब हो गया अपराध - कुछ समय पूर्व तक पालक अपने बच्चों के सारे अधिकार शिक्षक को देकर रखते थे। शिक्षक द्वारा बच्चे के अनुचित व्यवहार पर जिस भी प्रकार से उसे समझ आये वैसी समझाइश या दंडित किया जाता था। बच्चे और पालक का उसके प्रति समर्थन भी था। आज स्थिति बदली हुई है। वर्तमान में विद्यार्थी को उसके जीवन में सही दिशा देने के उद्देश्य से उचित समझाइश या दंड देना तो दूर कुछ कहा भी नहीं जा सकता। पहले कभी नहीं देखा गया कि किसी भी गुरू या शिक्षक के प्रति कोई शिकायत का भाव रहता था। आज स्थिति अलग है। और इसका नतीजा यह है कि बच्चे गलती करने के बावजूद उसमें सुधार नहीं होने पर वे अपना जीवन बर्बाद कर देते है। क्योंकि उसे रोकने-टोकने वाला कोई नहीं होता है। इसका खामियाजा उसे जीवन में बाद में भुगतना पड़ता है।

सब शिक्षक खराब नहीं - यह सच है कि सब शिक्षक अच्छे नहीं होते है। किन्तु यह भी उतना ही सच है कि सब शिक्षक खराब भी नहीं होते है। खराब शिक्षक के कारण अच्छे शिक्षकों पर भी अविश्वास करना कदापि उचित नहीं कहा जा सकता। शिक्षक पर यदि विश्वास किया जायेगा तो वह निश्चित रूप से अच्छी शिक्षा बच्चों को दे पायेगा, जिससे वह अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकेगा। बच्चों की शिक्षण प्रक्रिया में पालकों का सहयोग और समर्थन महत्वपूर्ण होता है।

शिक्षण की बजाय अन्य सुविधाओं पर जोर - पहले स्कूल में अच्छे शिक्षक और अच्छी शिक्षा को ध्यान में रखकर पालक अपने बच्चे को उस स्कूल में प्रवेश दिलाते थे। उनके लिए अच्छी शिक्षा ही सर्वोपरी होती थी। आज शिक्षा पर सर्वोच्च ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यह दुखद है। आज पालक अच्छी शिक्षा की बजाय उस स्कूल में उपलब्ध अन्य सुविधाओं जैसे स्वीमिंग पुल, घुड़सवारी आदि सुविधाएं होने पर वहाँ अपने बच्चे को भेजना पसंद कर रहे है। यह उचित नहीं कहा जा सकता।

इसलिए, हमें यह समझने की जरूरत है कि स्कूलों की आधुनिकता और चकाचौंध की बजाय संस्कारों को अधिक महत्व दें। यह समाज के लिए एक समर्थ और संतुलित पीढ़ी के निर्माण में मदद करेगा और बच्चों को व्यापक रूप से तैयार करेगा अपने भविष्य के लिए और यह एक अच्छा शिक्षक ही कर सकता है।

बच्चों से उसका बचपन छीना जा रहा - यही नहीं कुछ पालक तो प्राथमिक शिक्षा के लिए भी अपने बच्चों को सुबह 9 से शाम 4 बजे तक स्कूल भेज देते है। इस कारण से बच्चे का बचपन ही उससे छीना जा रहा है। बच्चे वास्तविक माहौल में रहकर खेलते हुए शिक्षा प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे कई उदाहरण मिल जायेंगे जिसमें अनेक पालक अपने बच्चों को प्रतिदिन कई किलोमीटर दूर पढ़ने के लिए भेज रहे हैं। इसके लिए वे प्रतिवर्ष लाखों रूपए खर्च कर रहे हैं। प्रतिदिन इस प्रकार से कई किलोमीटर दूर भेजने से बच्चों का जीवन सिर्फ बसों में आने - जाने में जा रहा है। पालक यह समझते है हम अपनी जिम्मेदारी पूर्ण कर रहे है पर पालकों को यह समझना होगा के उनके बच्चे का दिनभर स्कूल में रहने के कारण बच्चों से उनका बचपन ही छीना जा रहा है। यह किसी भी तरह उचित नहीं कहा जा सकता।

शिक्षक और पालक में हो विश्वास - कुछ खराब शिक्षकों के कारण सभी शिक्षकों को खराब नहीं कहा जा सकता। शिक्षकों के प्रति सम्मान की भावना हर एक पालक में होना जरूरी है। पालक और शिक्षक में परस्पर विश्वास होगा तो ही बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जा सकती है। पालक को यह समझना होगा कि समाज को दिशा और बच्चे को भविष्य देने वाले महत्वपूर्ण अंग शिक्षक के प्रति सम्मान और विश्वास नहीं रखा तो वही बच्चे भविष्य में किसका सम्मान करेंगे। शिक्षक और पालकों के बीच विश्वास एक महत्वपूर्ण संबंध है, जो बच्चे के शिक्षा और भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आपका शिक्षकों के प्रति यह विश्वास बच्चे का सर्वांगीण विकास करेगा और वह आगे जाकर वास्तविक जीवन में भी सफल सिद्ध होंगे।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

पुस्तक चर्चा

ममता शुक्ला

समीक्षक

बालमन को समझने की खुलती किवाड़ी

'खुले किवाड़ी बालमन की' पुस्तक का शीर्षक जितना आकर्षक है उतना ही आकर्षित करने वाला है इसका मुखपृष्ठ। दरवाज़े के पीछे से झांकते मुस्कुराते हुए बच्चों को देखकर ऐसा लगता है कि जैसे कह रहे हों, 'किसी ने उनके मन के किवाड़ को थपथपाया है'। अपने को कुछ दिखाते और बहुत कुछ छिपाते हुए बच्चे असल जिंदगी में भी ऐसे ही हैं । इन श्वेत, श्यामवर्णी बच्चों को रंग-बिरंगी दुनिया में लाना हम अभिभावकों का ही कर्तव्य है । एक स्वस्थ समाज की बुनियाद हमारे बच्चे हैं । उनकी सही रूप से परवरिश करना अभिभावकों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है । लेखिका ने इस पुस्तक को तीन खंडों में विभाजित किया है ताकि सरलता से हर पहलू पर विचार किया जा सके ।

खण्ड -1 में उन सभी पहलुओं की तरफ अभिभावकों का ध्यान आकर्षित किया गया है जो बच्चे के व्यक्तित्व विकास में आवश्यक है, फिर चाहे माता-पिता का परवरिश को लेकर समान दृष्टिकोण की बात हो या बालमन की बेचैनी को समझने का सुझाव। स्कूल की दिनचर्या से लेकर टीचर्स के प्रति सम्मान, पुस्तक पढ़ने की आदत आदि अनेक विषयों को इस खंड में सम्मिलित किया है जो भावनात्मक रूप से बच्चों को मजबूत बनाते हैं ।

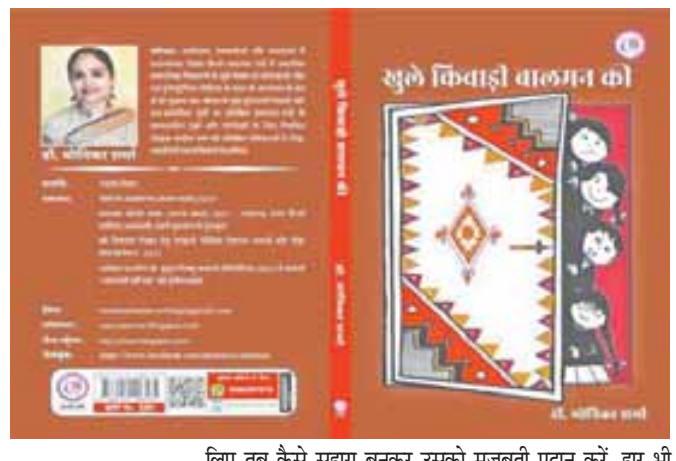

खण्ड -2 अभिभावकों के मनन करने योग्य है । जब तक हम अपने में सुधार नहीं लाएंगे बच्चों को सही दिशा नहीं दे पाएंगे । बच्चों को खुशनुमा माहौल देने के साथ-साथ ऐसा परिवेश बनाएं जहां सच्चाई हो, माता-पिता में आपसी तालमेल हो । जहां बड़े अपनी गलती पर बच्चों से माफी भी मांग सके और बच्चों की गलतियों को माफ करना भी सीखें । परीक्षा फल जो कि बहुत कठिन घड़ी होती है एक बच्चे के लिए तब कैसे सहारा बनकर उसको मजबूती प्रदान करें, हार भी जीवन का ही एक हिस्सा है उसे सहज स्वीकारें आदि अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं को समाहित किया है ।

खण्ड -3 समाज से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के लिए है । कैसे इस समाज को बेटियों के लिए सुरक्षित बनाया जाए ? कैसे पीढ़ियां आपस में जुड़ी रहें ? कैसे बच्चों को धार्मिक पर्व और उनसे जुड़े व्यंजन, परिधान आदि के बारे में जानकारी दी जाए ? किस प्रकार से धीरे-धीरे बच्चों को राष्ट्र धर्म से जोड़ा जाए । जैसे विषय इसमें समाहित हैं। परवरिश के पहलुओं पर बात करती इस पुस्तक में एक गंभीर प्रश्न की तरफ भी लेखिका ने ध्यान आकर्षित कराया है कि आज की पीढ़ी क्यों अपने से बड़ों की बातों को नकारात्मक ढंग से लेती है? इनमें धैर्य और सहनशीलता का बढ़ता अभाव समाज को एक भयानक दिशा की ओर ले जा रहा है। लेखिका ने बहुत ही सुलझे हुए ढंग से, साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए अपने विचारों को व्यक्त किया है । शायद ही कोई पहलू अछूता रह गया होगा। सीधी सरल भाषा में एक-एक शब्द मन की गहराइयों को छू गया है। बच्चों की परवरिश से संबंधित यह पुस्तक 'मील का पत्थर' साबित होगी ।

किताब - खुले किवाड़ी बालमन की
लेखक- डॉ. मोनिका शर्मा

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस विशेष

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

नजीर है प्लास्टिक पर निर्भरता से मुक्ति की पहल

अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टिट्यूट' की रिपोर्ट ने बताया कि 2021 में 81 लाख मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं, भारत में 21 लाख और चीन में 23 लाख मौत के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है, मौतों का यह आंकडा बहुत ही ज्यादा है। वायु प्रदूषण के साथ ही जल प्रदूषण, प्लास्टिक प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, ई-कचरा, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट, घातक रसायनों का प्रयोग, लाखों लोगों को हर साल घातक बीमारियों से जकड़कर असमायिक मौत दे रहे हैं। प्रदुषण से पशु-पक्षी, वन्यजीव, समुद्रजीव तेजी से ख़त्म हो रहे हैं। पृथ्वी पर प्लास्टिक प्रदूषण इस तरह से बढ़ा है कि अगर आज पूरे विश्व में प्लास्टिक बंदी हो जाए तो भी हजार साल उसका अस्तित्व वातावरण में नजर आयेगा। आपको जानकर हैरानी होगी कि आज के वर्तमान युग में हम रोज प्लास्टिक खा रहे हैं, पी रहे हैं और प्लास्टिक मिश्रित ऑक्सीजन ले रहे हैं। वैश्विक स्तर पर, हर साल प्रति व्यक्ति संभावित रूप से 11,845 से 193,200 माइक्रोप्लास्टिक्स ग्रहण करता है, जो 7.7 ग्राम से 287 ग्राम प्रति व्यक्ति के बीच होता है, इसका सबसे बड़ा जरिया हमारा पीने का पानी है।

पृथ्वी पर मानव ने अपनी सुविधा के लिए नवनवीन आविष्कार किये, परंतु जरूरत से ज्यादा प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हुआ, आज अपने सुख के लिए मानव प्रकृति के साथ खिलवाड़ करके पृथ्वी को नष्ट करने पर तुला है, जबकि पृथ्वी पर मानव अस्तित्व के साथ ही सम्पूर्ण जीवसृष्टि के लिए भी धोखा निर्माण हो गया है, तेजी से बदलता जलवायु परिवर्तन मानव निर्मित कारणों का नतीजा है। अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टिट्यूट' की रिपोर्ट ने बताया कि 2021 में 81 लाख मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं, भारत में 21 लाख और चीन में 23 लाख मौत के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है, मौतों का यह आंकडा बहुत ही ज्यादा है। वायु प्रदूषण के साथ ही जल प्रदूषण, प्लास्टिक प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, ई-कचरा, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट, घातक रसायनों का प्रयोग, लाखों लोगों को हर साल घातक बीमारियों से जकड़कर असमायिक मौत दे रहे हैं। प्रदुषण से पशु-पक्षी, वन्यजीव, समुद्रजीव तेजी से ख़त्म हो रहे हैं। पृथ्वी पर प्लास्टिक प्रदूषण इस तरह से बढ़ा है कि अगर आज पूरे विश्व में प्लास्टिक बंदी हो जाए तो भी हजार साल उसका अस्तित्व वातावरण में नजर आयेगा। आपको जानकर हैरानी होगी कि आज के वर्तमान युग में हम रोज प्लास्टिक खा रहे हैं, पी रहे हैं और प्लास्टिक मिश्रित ऑक्सीजन ले रहे हैं। वैश्विक स्तर पर, हर साल प्रति व्यक्ति संभावित रूप से 11,845 से 193,200 माइक्रोप्लास्टिक्स ग्रहण करता है, जो 7.7 ग्राम से 287 ग्राम प्रति व्यक्ति के बीच होता है, इसका सबसे बड़ा जरिया हमारा पीने का पानी है।

क्रिश्चियन चैरिटी समूह टियरफ़ंड द्वारा किए गए शोध से पता चला है कि विकासशील देशों में हर 30 सेकंड में एक मौत के लिए प्लास्टिक कचरा जिम्मेदार है। शोधकर्ताओं ने पाया कि हर साल चार लाख से दस लाख लोग कुप्रबंधित प्लास्टिक कचरे के संपर्क में रहने के कारण कैंसर जैसी घातक बीमारियों से मरते हैं। प्लास्टिक कचरे से हर साल 100 मिलियन समुद्री जीव मरते हैं, हर साल 100,000 समुद्री जीव प्लास्टिक में उलझने से जान गवांते है। गर्म खाद्य पदार्थों के लिए प्लास्टिक का प्रयोग जहर जैसा है क्योंकि जैसे ही प्लास्टिक का गर्म खाद्यपदार्थों से संपर्क होता है, तो प्लास्टिक अपने जहरीले रसायनों को छोड़ता है, जो खाद्य पदार्थों में मिलता है और उस खाद्य पदार्थों को खाकर इंसान जानलेवा बीमारियों का शिकार होता है, इसलिए प्लास्टिक प्रदूषण के द्वारा मौतों में लगातार वृद्धि हो रही है। प्लास्टिक में मौजूद जहरीले रसायन मानव शरीर में हार्मोन गतिविधि को बदल सकते हैं, प्लास्टिक में मौजूद विघटनकारी रसायन बांझपन, मोटापा, मधुमेह, प्रोस्टेट या स्तन कैंसर, थायरॉयड समस्याओं, हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाते हैं। प्लास्टिक की थैलियों को फोटोडिग्रेड होने में लगभग 300 साल और कुछ प्लास्टिक को हजार साल तक लग जाते हैं। वे छोटे-छोटे जहरीले कणों में टूट जाते हैं जो मिट्टी और जलमार्गों को प्रदूषित करते हैं और जब जानवर, पशुपक्षी या समुद्रीजीव गलती से ये प्लास्टिक खा लेते हैं, तो वे खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। प्लास्टिक को जलाने से उन्हें खत्म नहीं किया जा सकता, क्योंकि जलाने पर वे वायुमंडल में जहरीली गैसें छोड़ते हैं जो वायु प्रदूषण का कारण बनती हैं।

हर साल 3 जुलाई को दुनियाभर में जनजागृति के लिए 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है, इस वर्ष की थीम 'व्यक्तियों, व्यवसायों और संगठनों को प्लास्टिक के अन्य स्थायी विकल्प अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें' यह है, प्लास्टिक के उपयोग और अपशिष्ट को कम करने के लिए नीतिगत परिवर्तनों और प्रणालीगत समाधानों पर जोर दें। प्लास्टिक बैग पेट्रोलियम उत्पादों से बने होते हैं, प्लास्टिक खाद्य भंडारण पैकेज में जहरीले रसायन होते हैं, प्लास्टिक उत्पादन के दौरान जहरीले रसायन निकलते हैं। साल 2050 तक महासागरों में मछलियों की तुलना में प्लास्टिक कचरा अधिक होगा। हर साल दुनिया भर में करीब 500 बिलियन प्लास्टिक बैग इस्तेमाल किए जाते हैं, यह बहुत ज़्यादा बैग हैं। दुनिया भर में हर सेकंड 160,000 प्लास्टिक बैग का उपयोग किया जाता है, जिनका जीवनकाल लगभग 12 से 25 मिनट है। दुनिया भर में हर मिनट लगभग दस लाख प्लास्टिक पेय की बोतलें बेची जाती हैं, प्यू चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्ययन 2022 अनुसार, हर साल 11 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक प्लास्टिक समुद्र में प्रवेश करता है, जो पानी में मिलकर खाद्य श्रृंखला को बाधित करता है। ईए की रिपोर्ट के अनुसार, भारत एमडब्ल्यूआई में चौथे स्थान पर है, जहां

98.55 प्रतिशत उत्पन्न कचरे का कुप्रबंधन किया जाता है। भारत में प्लास्टिक कचरे का उत्पादन पिछले पांच वर्षों में चार गुना हो गया है। सरकार का कहना है कि देश का 60 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा रिसाइकिल किया जाता है, जबकि सीपीसीबी डेटा पर आधारित सीएसई डेटा के मुताबिक, भारत अपने प्लास्टिक कचरे का केवल 12 प्रतिशत ही रिसाइकल कर पाता है।

भारत देश में एकल उपयोग प्लास्टिक थैलियों पर प्रतिबंध है, बहुत बार प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड एवं महानगर पालिका या नगर निगम द्वारा दुकानों, कारखानों पर छापा मारकर प्लास्टिक थैलियों का अवैध माल जप्त किया जाता है। परंतु हम सभी जानते है कि पाबंदी के बावजूद बड़ी मात्रा में प्लास्टिक थैलियों का अवैध व्यापार और उपयोग धड़ल्ले से जारी है। दुकानदार के मना करने के बावजूद ग्राहक भी प्लास्टिक थैलियों की मांग करते है, ऐसे लोगों की बेवकूफी का खामियाजा अन्य लोगों और पर्यावरण को भुगतना पड़ता है, जिससे मासूमों जीवों की जान भी चली जाती है। बहुत बार हमें रास्ते, दुकान, स्ट्रीट वेंडर्स किराना दुकान, होटल, सब्जी भाजी फल वाले, खाद्यपदार्थ विक्रेता, छोटे-मोटे दुकानदार की तरफ बैन प्लास्टिक थैलियों का इस्तेमाल नजर आता है। थैलियां इस्तेमाल हो रही है मतलब, ऐसी अवैध प्लास्टिक थैलियों का उत्पाद शुरू है।

पृथ्वी पर मानव अस्तित्व और जीवसृष्टी को बचाना है तो, प्लास्टिक का इस्तेमाल तुरंत बंद करना होगा, प्लास्टिक के अन्य पर्याय का अनुकरण करके पर्यावरण की रक्षा करनी होगी। लोग प्लास्टिक का अधिक उपयोग करने के आदी हो गये हैं। आलस और स्वार्थवृत्ति छोड़कर कपड़े या कागज की थैलियों का उपयोग करें, पैसे से ज्यादा प्रकृति को प्राधान्य दें। कानून और सरकारी नीति नियमों का पालन करें। कचरा निर्मित न हो या कम हो इसका ध्यान रखें। हर वस्तु के पुनर्चक्रण के बारे में सोचें। प्लास्टिक पैक खाद्य उत्पादों को खरीदने से बचें। एकल उपयोग वाले डिस्पोजेबल प्लास्टिक मना करें। बाहर प्लास्टिक पानी की बोतल खरीदने के बजाय घर से स्टील की बोतल लेकर निकलें। आज से 20-25 साल पहले जब खाद्य पैकेज का ट्रेंड नहीं था, किराना दुकान में खाद्य तेल खरीदने के लिए घर से केतली बर्तन लेकर जाते थे क्योंकि तब तेल के पैकेट नहीं आते थे, किराना सामान समाचार पत्रों की रद्दी के कागज में बांधकर देते थे क्योंकि तब प्लास्टिक की थैलियों नहीं मिलती थी। दूध कांच की बोतल में या घर के किसी बर्तन में लेकर आते थे।

एक बात हमेशा याद रखो कि ढूंढने से सौ बहाने मिलेंगे लेकिन मेहनत से हर बात संभव होती है। 2008 में, छोटा सा गरीब देश रवांडा दुनिया के उन पहले देशों में से एक बन गया, जिसने सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग और बोतलों पर प्रतिबंध लगा दिया, इस देश में प्लास्टिक की वस्तु के साथ पकड़े जाने पर छह महीने जेल की सजा है। सिक्किम, जो 1998 में डिस्पोजेबल प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला भारतीय राज्य बना, 2016 में, सिक्किम ने दो बड़े फैसले लिए, इसने सरकारी कार्यालयों और सरकारी कार्यक्रमों में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया। केरल के कन्नूर में 25 लाख से ज़्यादा लोगों ने प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दिया, ताकि यह दक्षिण भारत का पहला प्लास्टिक-मुक्त ज़िला बन सके। एक साल के भीतर, कन्नूर जिले में 40 लाख प्लास्टिक कैरी बैग कम हो गए। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के दूरदराज के गांव सादिवाड़ा में, ग्राम पंचायत के मुखिया ने पर्यावरण को बचाने के लिए प्लास्टिक-मुक्त कहलाने वाला पहला गांव बनाने की एक अनूठी पहल शुरू की। असम के एक मॉडल स्कूल में छात्रों को स्कूल फीस के तौर पर हर सप्ताह 25 प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्र करके लाना होता है, ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहें। मेघालय के मावलिननॉन्ग गांव के पास स्थित दावकी झील को 2003 में एशिया का सबसे स्वच्छ गांव घोषित किया गया था। स्वच्छता के प्रति बेहद जागरूक ग्रामीणों ने प्लास्टिक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। जनवरी 2020 में केरल के कुमारकोम पहला प्लास्टिक-मुक्त पर्यटन स्थल बन गया। प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने के लिए पहल हम सबको मिलकर करनी होगी ताकि आनेवाली पीढ़ी के लिए यह जीवसृष्टि स्वच्छ हरीभरी बनी रहें।

मनोरंजन

रमेश रंजन त्रिपाठी

एसजे यानी सुपरहिट जोड़ी

ऐसा सुना है कि 'तेरी प्यारी प्यारी सूरत को किसी की नजर न लगे' गाने को लेकर शम्मी कपूर ने शंकर जयकिशन से शिकायती लहजे में कहा था कि उन्होंने यह गाना उनके लिए क्यों नहीं बनाया? 'ससुराल' में चॉकलेटी राजेंद्र कुमार खूबसूरत बी. सरोजादेवी को बुरी नजरों से बचाने के लिए मोहम्मद रफी से आवाज उधार लेकर इस सदाबहार गाने को पर्दे पर गा रहे थे। दरअसल एसजे के नाम से प्रसिद्ध सार्वकालिक महान संगीतकार जोड़ी शंकर जयकिशन ने ग्रेट शोमैन राजकपूर, इंडियन एल्विस प्रेस्ली शम्मी कपूर और जुबली कुमार राजेंद्र कुमार के लिए एक से बढ़कर एक सुरीले गीत तैयार किए थे। बानगी के तौर पर इन गीतों को याद करें- आवारा हूँ, मेरा जूता है जापानी, मेरा नाम राजू, बोल राधा बोल संगम होगा कि नहीं, ये रात भीगी भीगी राजकपूर के लिए तो याहू, एहसान तेरा होगा मुझ पर, बदन पे सितारे लपेटे हुए, ऐ गुलबदन, तुमसे अच्छा कौन है शम्मी कपूर, और बहारो फूल बरसाओ, ऐ नरगिस-ए-मस्ताना, खुदा भी आसमां से, तुम कमसिन हो, कौन है जो सपनों में आया जैसे अनेक गीत राजेंद्र कुमार के लिए। सच तो यह है कि शंकर जयकिशन की जोड़ी थी ही इतनी प्रतिभावान कि वे अपनी हर फिल्म में लाजवाब संगीत देते थे, चाहे उसमें कोई भी कलाकार काम कर रहा हो। एसजे को फर्क नहीं पड़ता था कि फिल्म का हीरो कौन है और हीरोइन कौन! लेकिन यह बात भी काबिले गौर है कि इस संगीतकार जोड़ी से सर्वश्रेष्ठ निकलवाने का राज कपूर के पास कमाल का हुनर था। शम्मी कपूर और राजेंद्र कुमार भी संगीत की अच्छी समझ रखते थे। इन तीनों कलाकारों की बहुत सी फिल्मों में शंकर जयकिशन का संगीत होता था। देवानंद के लिए एस. डी.बर्मन और दिलीप कुमार के लिए नौशाद की तरह राजकपूर के लिए शंकर जयकिशन उनकी बहुत सी फिल्मों के संगीतकार रहे हैं। लेकिन राजकपूर, शम्मी कपूर और राजेंद्र कुमार के अलावा एसजे ने अनेक दूसरे कलाकारों को भी उन पर फिल्माए गए अपने गानों के कारण सदा के लिए मशहूर कर दिया। ऐसे गानों की सूची बहुत लंबी होगी। बेमिसाल मेलोडी के आनंद को स्मृति पटल पर ताजा करने के लिए कुछ गीतों को उनके कलाकारों के साथ याद करिए। देवानंद- सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था, तुझे जीवन की डोर से बांध लिया है, याद किया दिल ने कहाँ हो तुम। दिलीप कुमार- ऐ मेरे दिल कहीं और चल, ये मेरा दीवानापन है। भारत भूषण- सुर न सजे क्या गाऊँ मैं, नैन मिले चैन कहाँ। प्रदीप कुमार- ये वादा करो चाँद के सामने, आए बहार बन के लुभाकर चले गए, आ नीले गगन तले प्यार हम करें। बलराज साहनी- तू प्यार का सागर है। सुनील दत्त- राधिके तूने बंसुरी चुराई। मनोज कुमार- इब्तिदा-ए-इश्क में हम सारी रात जागे। फिरोज खान- दिल की गिरह खोल दो। विश्वजीत- तुझे प्यार करते हैं करते रहेंगे। धर्मेंद्र- मैं कहीं कवि न बन जाऊँ। शशिकपूर- लिखे जो खत तुझे। राजकुमार- झनक झनक तोरी बाजे पयलिया। रहमान- जाऊँ कहाँ बता ऐ दिल। गुरुदत्त- यही है वो साँझ और सवेरा। महमूद- हम काले हैं तो क्या हुआ। जॉनी वाकर- आल लाइन क्लीयर। आगा- अंधे जहान के अंधे रास्ते। अजीत- आ जा के इंतजार में आने को है बहार भी। डेविड- लपक झपक तू आ रे बदरवा, नन्हे मुन्ने बच्चे तेरी मुठी में क्या है। किशोर कुमार- अजब है दास्ताँ तेरी ऐ जिंदगी। प्रेमनाथ- पतली कमर है। जितेंद्र- रुख से जरा नकाब हटा दो मेरे हुजूर। जॉय मुखर्जी- ओ मेरी शाह-ए-खुबां।

अनेक अभिनेत्रियों के लिए भी शंकर जयकिशन ने यादगार गीतों की रचना की है। 'मदर इंडिया', 'अंदाज', 'अमर' जैसी फिल्में बनानेवाले महबूब जब विदेश में अपनी बीमारी का इलाज करा रहे थे तब बेचैनी दूर करने के लिए वे लता मंगेशकर से फोन पर शंकर जयकिशन का स्वरबद्ध किया 'रसिक बलमा' गीत फोन पर सुना करते थे। यह गाना नरगिस पर फिल्माया गया था। कुछ उदाहरण और देखिए। मधुबाला- मेरे सपने में आना रे साजना। मीना कुमारी- अजीब दास्ताँ है ये, हम तेरे प्यार में सारा आलम खो बैठे हैं। नूतन- मन मोहना बड़े झूठे, तेरा जाना दिल के अरमानों का लुट जाना। वहीदा रहमान- पान खाए सैंया हमार। आशा पारेख- पर्दे में रहने दो। माला सिन्हा- कहे झूम झूम रात ये सुहानी। वैजयन्ती माला- नील गगन की छाँव में दिन रैन गले से मिलते हैं। उषा किरण- किसी ने अपना बना के मुझको मुस्कुराना सिखा दिया। निम्मी- बरसात में हमसे मिले तुम सजन। लीना चंदावरकर- तुझे दिल की बात बता दूँ। हेमा मालिनी- जहाँ प्यार मिले, सीखा नहीं सबक तूने प्यार का, चल संन्यासी मंदिर में। साधना- बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन याद करता है। शर्मिला टैगोर- रात के हमसफर। राखी- आँखों आँखों में बात होने दो। पद्मिनी- ओ बसंती पवन पागल। बबीता- आप यहाँ आए किसलिए। कुमकुम- तेरा जलवा जिसने देखा। सिमी ग्रेवाल- जब भी ये दिल उदास होता है। सायरा बानो- तुमको हमारी उमर लग जाय। शुभा खोटे- अजहूं न आए बालमा। हेलेन- गम छोड़ के मनाओ रंगरेली।

शंकर जयकिशन ने अपनी बेहद सुरीली धुनों से अनेक कम मशहूर कलाकारों को यह अवसर प्रदान कर दिया है कि संगीतप्रेमी इन गानों को देखते-सुनते हुए उन्हें भी यादों में बसाए रहेंगे। मिसाल के तौर पर 'हवा में उड़ता जाए मोरा लाल दुपट्टा मलमल का' में बिमला कुमारी, 'चलत मुसाफिर मोह लिया रे' के लिए कृष्ण धवन, 'मैं बहारों की नटखट रानी' में चाँद बुर्के, 'हमरे गाँव कोई आएगा' गाती हुई परवीन चौधरी और 'नैन तुम्हारे मजेदार ओ जनाब-ए-आली' में थिरकते अनूप कुमार।

एसजे ने शारदा (तितली उड़ी) और सुबीर सेन (दिल मेरा एक आस का पंछी) जैसे नए गायकों को कम गीत गाने के बावजूद अपनी कर्णप्रिय धुनों के माध्यम से श्रोताओं के बीच हमेशा के लिए स्थापित कर दिया। शारदा ने तो एसजे के संगीत से सजी 'जहाँ प्यार मिले' के गाने 'बात जरा है आपस की' के लिए फिल्मफेयर अवार्ड भी जीता था।

एक गीत और समयचक्र की चर्चा और। 'लाल पत्थर' की बेहतरीन गजल 'उनके खयाल आए तो आते चले गए' के गायक हैं मोहम्मद रफी। रफी साहब ने सन् 1944 में अपने कैरियर की शुरुआत उस समय के बड़े गायक जी.एम.दुर्रानी के साथ गाकर की थी। रफी स्वयं दुर्रानी के बड़े फैन थे। छब्बीस साल बाद सन् 1971 में एसजे की बनाई धुन पर 'लाल पत्थर' के इस गीत को मोहम्मद रफी गा रहे हैं और पर्दे पर होंठ हिला रहे हैं, जी.एम.दुर्रानी।

शंकर जयकिशन के बहुआयामी संगीत का यह एक छोटा सा पहलू है। इतने से ही मानना पड़ता है कि एसजे का मतलब है सुपरहिट जोड़ी।

शिक्षा

प्रो. रवींद्रनाथ तिवारी

लेखक शिक्षाविद् हैं।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सार्थक पहल

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के चरणबद्ध क्रियान्वयन की दिशा में मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत अनुकरणीय एवं प्रशंसनीय पहल है। सभी जिलों में प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालयों का शुभारंभ 1 जुलाई 2024 तथा इन महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2024-25 से प्रारंभ किए गए हैं। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय के साथ-साथ बी.एससी (एजी) पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किया जा रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालयों में बी.एड. पाठ्यक्रम संचालित किये जाने हेतु आवश्यक अनुमति प्राप्त की जाकर पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जाएंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन की बात कही गयी है जिसमें बहुविषयक विश्वविद्यालयों की स्थापना तथा अन्तर्विषयक शोध प्रमुख हैं। उच्चतर शिक्षा में तीन प्रकार के संस्थान होंगे-शोध गहन विश्वविद्यालय, शिक्षण गहन विश्वविद्यालय एवं स्वायत्त डिग्री देने वाला महाविद्यालय। एकेडमिक क्रेडिट बैंक की स्थापना अतिमहत्वपूर्ण कदम है। वर्ष 2035 तक उच्चतर शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। सभी उच्चतर शिक्षा संस्थान 2030 तक बहुविषयक संस्थान बनाने की योजना तथा 2040 तक सभी वर्तमान उच्चतर शिक्षण संस्थान का उद्देश्य अपने आपको बहुविषयक संस्थान के रूप में स्थापित करना होगा।

रोजगार आधारित डिग्री/ डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालयों तथा सभी सामान्य (शास.) विश्वविद्यालयों में प्रारंभ किये जा रहे हैं। सभी प्राधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालयों में आई.आई.टी. दिल्ली के सहयोग से आधुनिकतम आई.टी. पाठ्यक्रम (कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एआई के साथ फिनटेक) प्रारंभ किये जा रहे हैं। विमानन सबंधी पाठ्यक्रम भी अकादमिक सत्र 2024-25 से प्रारंभ किये जाने के प्रयास चल रहे हैं। प्रत्येक महाविद्यालय में स्किल आधार पर रोजगार मूलक 1 से 5 रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम इसी सत्र से प्रारंभ किये जाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में व्यावसायिक शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए मुख्य धारा में

लाने का प्रयास किया गया है। इसके लिए आवश्यक होगा कि समस्त शिक्षण संस्थान चरणबद्ध तरीके से व्यावसायिक शिक्षा के कार्यक्रमों को मुख्यधारा की शिक्षा में एकीकृत करें और इसकी शुरुआत आरंभिक वर्षों में व्यावसायिक शिक्षा के अनुभव प्रदान करने से हो जो सुचारु रूप से उच्चतर प्राथमिक, माध्यमिक कक्षाओं से होते हुए उच्चतर शिक्षा तक जाए। व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करना यह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक विद्यार्थी कम से कम एक व्यवसाय से जुड़े कौशलों को सीखे और अन्य कई व्यवसायों से परिचित हो। परिणामस्वरूप विद्यार्थी श्रम की महत्ता तथा भारतीय कलाओं एवं कारीगरी सहित अन्य विभिन्न व्यवसायों के महत्व से परिचित होगा। उच्च शिक्षा प्रणाली के माध्यम से कम से कम 50 प्रतिशत विद्यार्थियों को वर्ष 2025 तक व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव प्रदान किया जाएगा। व्यावसायिक एवं अकादमिक क्षमताओं का विकास साथ-साथ होगा। उच्चतर शिक्षा संस्थान स्वयं ही अथवा उद्योगों तथा गैर-सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी में व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में शोध केंद्रों की स्थापना भी प्रस्तावित है।

डेलर्स ने 1996 में 21वीं सदी के लिए सीखने पर अपनी रिपोर्ट पेश की, जिसमें शिक्षा के चार स्तंभों पर जोर दिया गया, जिसमें अंतिम स्तंभ था साथ मिलकर जीना सीखना। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की अवधारणा भारतीय सनातन संस्कृति में 5,000 साल से भी पुरानी है। ब्लूम्स ने सीखने के छह चरणों को रेखांकित किया, जिसमें याद रखना, समझना, लागू करना, विश्लेषण करना, मूल्यांकन करना और ज्ञान का सृजन करना शामिल है, जिसका अंतिम लक्ष्य ज्ञान का सृजन है। प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली ने मानवता के प्राथमिक लक्ष्य के रूप में ज्ञान, बुद्धि और सत्य की खोज को प्राथमिकता दी। भारतीय ज्ञान परंपरा अद्वितीय ज्ञान और प्रज्ञा का प्रतीक है जिसमें ज्ञान - विज्ञान, लौकिक - पारलौकिक, कर्म, धर्म तथा भोग और त्याग का अद्भुत समन्वय है। ऋग्वेद के समय से ही शिक्षा प्रणाली जीवन के नैतिक, भौतिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक मूल्यों पर केंद्रित होकर विनम्रता, सत्यता, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और सभी के लिए सम्मान जैसे मूल्यों पर जोर देती थी। इसी अनुक्रम में इन महाविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु विद्यावन प्रकोष्ठ का गठन किया जा रहा है। बहुविषयक संस्थान और अंतर्विषयक शोध की दिशा में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना कर मध्य प्रदेश ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। इन महाविद्यालयों के सामने आधारभूत संरचना, राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशालाएं तथा नियमित शिक्षकों की नियुक्ति तथा शोध को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता जैसी कई चुनौतियां हैं। सरकार द्वारा इस दिशा में अथक प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत की ज्ञान और सीखने की समृद्ध परंपरा से प्रेरणा लेती है। इस नीति को शत प्रतिशत लागू करने में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण सुधार माना जा रहा है, जिसमें शिक्षक को प्राचीन ज्ञान को हस्तांतरित करने, नए ज्ञान का सृजन करने और अगली पीढ़ी को जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करने का काम सौंपा गया है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था, 'सभी ज्ञान प्रत्येक व्यक्ति के भीतर रहता है और इसे जगाना शिक्षक की जिम्मेदारी है'। राष्ट्र निर्माण तब होता है जब शिक्षा के माध्यम से मूल्यों का प्रसार किया जाता है, और शिक्षक इस प्रसार के लिए सबसे प्रभावी माध्यम होते हैं। राष्ट्र का प्राण शिक्षण है और शिक्षण का प्राण शिक्षक है, जो उन्हें एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बनाते हैं। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने और भारत को ज्ञान के क्षेत्र में महाशक्ति बनने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

चारों धाम के बाद अमरनाथ यात्रा, पर निकले नित्या समिति के 8 सदस्यीय श्रद्धालुओं का दल

बैतूल। 22 जून को चारों धाम यात्रा के लिए बैतूल से निकले नित्या समाज सेवी संस्था के 8 सदस्यीय श्रद्धालुओं का दल चारों धाम यात्रा सकुशल पूर्ण कर चुके है । इसके बाद यह जत्था आज 3 जुलाई को दिल्ली से फ्लाइट से जम्मू कश्मीर के लिए रवाना हो जाएंगे । जम्मू कश्मीर से देश के सबसे कठिन यात्रा कहे जाने वाली अमरनाथ यात्रा पर निकलेंगे।यह जानकारी संस्था के संयोजक बलराम जसूजा ने दी है।

बैतूल के समाजसेवी संस्था नित्या सेवा समिति के आठ सदस्यीय श्रद्धालुओं का जत्था चारों धाम दर्शन के लिए बैतूल रेलवे स्टेशन से 22 जून दिन शनिवार को दोपहर जीटी एक्सप्रेस से निकले थे । चारों धाम दर्शन के लिए निकले इस जत्था को उनके शुभचिंतकों मित्रों परिजनों ने स्टेशन पहुंचकर उनके सुखद यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हुए विदाई दी थी ।

नित्या सेवा समिति के हरीश गढ़ेकर ने बताया कि संस्था के संयोजक बलराम जसूजा के नेतृत्व में चारों धाम दर्शन के लिए परिवार सहित कुल 8 सदस्य जीटी एक्सप्रेस से गत 22 जून को निकले थे । श्री गढ़ेकर ने बताया कि 10 दिनों में इनका दल दिल्ली, हरिद्वार , ऋषिकेश के बाद गंगोत्री , बद्रीनाथ, केदारनाथ यात्रा कर वापस हरिद्वार पहुंच गए हैं । फिर हरिद्वार से दिल्ली पहुंचकर अमरनाथ की यात्रा शुरू करेंगे। अमरनाथ दर्शन करने के बाद वापस बैतूल लौटेंगे । उन्होंने बताया कि अभी पिछले 10 दिनों की चारों धाम यात्रा बेहद सुखद ढंग से हो चुकी हैं । सेवानिवृत्त बैंक ऑफिसर और नित्या सेवा समिति के संयोजक बलराम जसूजा ने कहा कि भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद से निश्चित ही अमरनाथ अमरनाथ यात्रा भी कुशलता से पूर्ण हो जायेगा । गौरतलब है कि तीर्थ धाम पर निकले इन श्रद्धालुओं में नित्या सेवा समिति के बलराम जसूजा,सुरेंद्र डबली कपूर, हरीश गढ़ेकर और दीपक पाल सभी अपने-अपने परिवार सहित 8 सदस्य है ।

8 जुलाई को लौटेंगे बैतूल- अमरनाथ यात्रा पूर्ण करने के बाद श्रद्धालुओं का यह दल 8 जुलाई को वंदे भारत ट्रेन से दोपहर में बैतूल पहुंचेंगे। बैतूल पहुंचने पर स्टेशन में उनके परिजन और शुभचिंतकों द्वारा स्वागत सत्कार के साथ अगवानी करेंगे। श्रद्धालुओं के इस दल में शामिल हरीश गढ़ेकर दंपत्ति और दो दिन बाद 10 जुलाई को बैतूल पहुंचेंगे । चूंकि वे अमरनाथ यात्रा करने के बाद अपने बेटों के पास बैंगलोर भी जाएंगे । इसके बाद ही गढ़ेकर दंपत्ति बैतूल पहुंचेंगे।

नाली के विवाद पर चली गई महिला की जान, पति और सास भी गंभीर

बैतूल ब्लॉक के ग्राम सेलगांव में निस्तार की नाली से बारिश का पानी निकालने को लेकर रविवार को दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। इस झड़प में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हमले में घायल एक महिला की सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला के पति और सास का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को ग्राम सेलगांव में बारिश का पानी निस्तार की नाली से निकालने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। यह विवाद इतना बढ़ गया कि किशन धुर्वे और विजय धुर्वे ने दूसरे पक्ष पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में चम्पा, उसका पति संतोष, और उसकी सास सोमता गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

आईसीयू में कराया था भर्ती

इन सभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया था। यहां चम्पा पत्नी संतोष उइके की हालत गंभीर होने पर उसे आईसीयू में भर्ती किया गया था। जहां उसने सोमवार को दम तोड़ दिया। चम्पा के पति संतोष पिता पंचम को भी गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया है। वहीं, उसकी बुजुर्ग सास, सोमता पति पंचम, का जिला चिकित्सालय में उपचार चल रहा है।

पति की हालत भी गंभीर

चंपा के पति संतोष की हालत भी गंभीर है। जिसके चलते उसे बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर कर दिया गया है। सोमता का इलाज जिला चिकित्सालय में चल रहा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों आरोपियों किशन धुर्वे और विजय धुर्वे के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया था। चम्पा की मौत के बाद आरोपियों पर हत्या की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं।

जमकर चले थे डंडे-कुल्हाड़ी

बताया जा रहा है कि पूरा विवाद निस्तार की नाली से बारिश का पानी निकालने को लेकर हुआ था। यह विवाद इतना बढ़ गया कुल्हाड़ी और डंडों तक चल पड़े। इस हमले में एक पक्ष के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वहीं एक की जान चली गई।

100 सीटर बॉयस हॉस्टल बनेगा, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स की भी मिलेगी सौगात

कॉलेज जनभागीदारी समिति की बैठक में लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय

बैतूल। जिले के सबसे बड़े और लीड कॉलेज जेएच पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में जनभागीदारी समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जेएच कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में अब 100 सीटर बॉयज हॉस्टल केंद्रीय मंत्री जनजातीय विभाग दुर्गादास उईके से स्वीकृति कराने का निर्णय लिया गया वहीं कॉलेज में बढ़ती

खेल गतिविधियों और विद्यार्थियों द्वारा स्पोर्ट्स में रुचि दिखाने के चलते स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का भी प्रस्ताव लिया गया। दोनों ही महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट केंद्रीय मंत्री से स्वीकृति के लिए भेजे जाएंगे। इसके अलावा नए विषयों की शुरूआत भी कॉलेज में करने का निर्णय लिया गया।

जेएच कॉलेज जनभागीदारी समिति की बैठक में जनभागीदारी समिति अध्यक्ष घनश्याम मदान, शिक्षाविद् कान्तु दीक्षित, अभिषेक जैन, विकास प्रधान, सुमित सोनी, विवेक शर्मा, शिवराजसिंह परिहार, कुंवरलाल, निलेश गोस्वामी, दीपशिखा वैद्या प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे सहित कॉलेज स्टॉफ एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे। बीएड, बीएलआईबी, बी.एस.डब्ल्यू, बीकॉम डिग्री धारी कोर्स शुरू करने का भी निर्णय लिया गया। इसके अलावा जनभागीदारी योजना के तहत समिति द्वारा कॉलेज में कार्यरत कर्मचारियों का 10 प्रतिशत वेतन बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

डेंगू बीमारी से बचने स्वास्थ्य विभाग ने की एडवाइजरी जारी

बैतूल। स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू बीमारी से बचने के लिए एडवाइजरी जारी की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रविकांत उईके ने बताया कि माह जुलाई प्रतिवर्ष डेंगू निरोधक माह के रूप में मनाया जाता है। डेंगू रोग एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, यह मच्छर साफ पानी में पनपता है, अतःरू सप्ताह में एक बार कूलर, टंकी एवं अन्य स्थानों पर भरे हुए पानी को अवश्य खाली करना चाहिये। टायर, गमले, नारियल के खोल आदि में पानी जमा नहीं होने देना चाहिये। जहां पानी खाली करना संभव न हो वहां मीठा तेल डाल दे, जिससे पानी के ऊपर तेल की परत बन जाती है और एडीज मच्छर के लार्वा नष्ट हो जाता हैं।

डेंगू बुखार के लक्षण

डॉ.उईके ने बताया कि डेंगू के प्रमुख लक्षण तेज बुखार आना, मांसपेशियों, जोड़ों में दर्द होना, सिर दर्द होना, आंखों के पिछले हिस्से में दर्द होना एवं शरीर पर लाल चकत्ते पड़ना है। इस प्रकार के लक्षण दिखाई दें तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें। डेंगू के प्रति स्वयं जागरूक रहें एवं अन्य लोगों में भी जागरूकता का प्रसार करें।

सावधानियां

डॉ.उईके ने बताया कि डेंगू से बचने के लिए सायं काल में एवं बाहर घूमते समय प्रयास करना चाहिये कि फुल बाहों के कपड़े पहने, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें, मच्छरों को भगाने वाली क्वाईल, क्रीम एवं रिपेलेन्ट लिक्विड का इस्तेमाल करें, मच्छरों को मारने के लिए इलेक्ट्रिक रैकेट का इस्तेमाल करें, खिडकी दरवाजों पर मच्छररोधी जाली लगवाएं। कूलर का खस भी प्रतिवर्ष बदलें एवं पुराने खस को जलाकर नष्ट करें।

सरकार ने विधानसभा में दी जानकारी के अनुसार बैतूल में भी बड़ी संख्या में युवा हैं बेरोजगार

डिग्रियां लेकर दर-दर खा रहे ठोकरें

बैतूल। विधानसभा सत्र के पहले दिन सोमवार को राज्य कौशल विकास राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने रोजगार संबंधित जानकारी दी हैं जिसको लेकर बैतूल में भी युवाओं को रोजगार नहीं मिला और वे रोजगार के लिए परेषान हो रहे है। बताया गया पिछले वर्ष पूरे प्रदेश में 35 लाख 73000 बेरोजगार थे। मई 2024 तक बेरोजगार युवाओं की संख्या 25 लाख 82000 रह गई है। जिसमे महिलाओं की संख्या 9 लाख 92 हजार 189 और पुरुषों की संख्या 15 लाख 90 हजार 387 है। यह पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार जानकारी दी गई। विधानसभा में दी जानकारी के अनुसार बैतूल जिले में अभी भी 65 हजार 345 युवा बेरोजगार है। पड़ोसी जिले छिंदवाड़ा की बात की जाय तो यहां बेरोजगारों की संख्या 88 हजार 230 है। सरकार भले ही रोजगार देने का दावा कर रही है लेकिन अभी भी कई युवा बेरोजगार है जो रोजगार की तलाश में दर- दर की ठोकर खा रहे हैं।

जिले में रोजगार का अभाव- बैतूल जिले में वर्षों से रोजगार का अभाव है। पढ़े लिखे युवा केवल सरकारी नौकरी पर डिपेंड है। लेकिन सरकारी नौकरी हर किसी को मिलने की संभावना नहीं के बराबर रहती है। सरकारी भर्ती के अलावा बैतूल में कोई भी रोजगार के साधन नहीं है। पिछले कई वर्षों से रोजगार को लेकर बैतूल में कोई विशेष पहल नहीं हो पाई है। आज भी बैतूल जिले का पढ़ा लिखा युवा डिग्रियां लेकर खाली घूम रहा है।

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का अधिकारी प्राथमिकता से करें निराकरणः कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

दृष्टिहीन दिव्यांग को रोजगार के लिए जनसुनवाई में 5 हजार का चेक भेंट

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता से करें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी मंगलवार को कलेक्टोरेट सभागार में जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को समक्ष में सुन रहे थे। जनसुनवाई में 183 शिकायतों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उनके साथ अपर कलेक्टर (विकास) एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन और एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव भी आवेदनों पर कार्रवाई की।

दिव्यांग दृष्टिहीन को मिला स्वरोजगार का सहारा- जन सुनवाई में मुलताई के ग्राम गरवा निवासी दृष्टिहीन दिव्यांग हेमराम गुजरे ने कलेक्टर श्री सूर्यवंशी से मध्यान्ह भोजन में से उन्हें भोजन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। कलेक्टर ने कहा कि यह स्थाई हल नहीं है। आप सब्जी विक्रय आदि जैसे फुटकर व्यवसाय शुरू करें। इसके लिए उन्होंने रेडक्रॉस के माध्यम से व्यवसाय हेतु राशि रूपए 5 हजार का चेक श्री गुजरे को उपलब्ध कराया। एडीएम श्री श्रीवास्तव द्वारा श्री गुजरे को चेक भेंट किया गया।

सीमांकन- शाहपुर तहसील के ग्राम धापड़ा निवासी मयंक चौहान ने सीमांकन हेतु शाहपुर को भूमि सीमांकन की मशीन उपलब्ध किए जाने की मांग की। आवेदन के माध्यम से बताया कि ग्राम धपाडामाल में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 35-1, 35-3 रकबा क्रमश 0.0373, 0.012 हेक्टेयर है। भूमि सीमांकन की फीस चालान के द्वारा जमा कर दी गई है। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने शाहपुर तहसीलदार को तत्काल सीमांकन कार्य कराए जाने के निर्देश दिए है।

प्रधानमंत्री मुद्रा रोजगार योजना के तहत ऋण- जनसुनवाई में आमला तहसील के ग्राम खजरी गाडरी ढाना निवासी सतीश पिता बिहारी काकोडिया ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा बोरदेही के मैनेजर द्वारा ऋण प्रदान नहीं किए जाने संबंधी शिकायत की। आवेदक ने बताया कि प्रधानमंत्री मुद्रा स्वरोजगार योजना के तहत ऋण के लिए बैंक ऑफ महाराष्ट्र की शाखा बोरदेही में समस्त दस्तावेज मैनेजर के पास 19 फरवरी 2024 को जमा किए थे। मैनेजर द्वारा सर्वे कर जांच भी की गई, लेकिन ऋण प्रदान नहीं किया गया। मैनेजर द्वारा जबरन परेशान किया जा रहा है। आवेदक ने बैंक मैनेजर को उचित निर्देश देकर प्रधानमंत्री स्वरोजगार मुद्रा योजना के तहत ऋण प्रदाय किए जाने की मांग की। आवेदन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जांच कर कार्रवाई के निर्देश प्रदान किए।

अवैध कब्जा- तुरंत कार्रवाई के निर्देश- आठनेर के ग्राम कावला निवासी देवा पिता रामराव देवहंस ने अनावेदक द्वारा किए गए अवैध कब्जे को दिलवाए जाने की गुहार लगाई। आवेदन के माध्यम से बताया कि अनावेदक रंगराव पिता कलीराम देवहंस निवासी कावला द्वारा उनकी निजी भूमि पर अवैध कब्जा कर जान से मारने की धमकी दी गई है। आवेदक रामराव ने अनावेदक पर उचित दंडात्मक कार्रवाई कर प्लाट दिलवाए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर द्वारा आठनेर तहसीलदार को उचित कार्रवाई के निर्देश प्रदान किए है।

क्षत्रिय पवार समाज ने किया प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने प्रतिभाएं हुई शामिल

बैतूल। क्षत्रिय पवार समाज संगठन बैतूल द्वारा पवार मंगल कालापाठा में आयोजित वार्षिक कार्यक्रम में, समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल पवार (पिंजारे) ने की। कार्यक्रम के दौरान, प्रदेश स्तरीय स्थान प्राप्त करने वाले यश पवार और एमपीपीएससी में चयनित आंचल पवार सहित, कक्षा दसवीं और बारहवीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर रोंढा निवासी पूर्व कलेक्टर प्रदीप कालभोर नागपुर द्वारा भेजे गए शुभकामना संदेश का वाचन भी किया गया।

श्रीमती मीना डां राजेन्द्र प्रसाद गिहारे ने अपने ससूर स्व. कुंवरलाल गिहारे (शिक्षक) की स्मृति में यश पवार को 5000 रुपये और एमपीपीएससी की तैयारी करने वाली कु. गायत्री को 2500 रुपये की सहयोग राशि प्रदान की। शिक्षाविद डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गिहारे ने घोषणा की कि पीएससी और यूपीएससी की तैयारी करने वाले आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को 10 हजार रुपये की पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी।

सहायक विस्तार अधिकारी बने प्रवीण पवार- सृष्टि संजीव गोहिते को 12वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया, जबकि प्रवीण पवार को सहायक विस्तार अधिकारी चयनित होने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें जनपद अध्यक्ष नान्ही बाई पिरथीलाल डहारे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कंचन महेन्द्र कालसेकर, डॉ. अशोक बारंगा सिविल सर्जन, और डॉ. संगीता पवार शासकीय चिकित्सालय मुलताई शामिल थे। समाजसेवी दानदाताओं ने प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए उदारता से दान दिया। कार्यक्रम का संचालन श्री नीलेश कालभोर, पिरथीलाल पवार और कन्हैया पाठेकर ने किया। क्षत्रिय पवार समाज संगठन बैतूल के सचिव लक्ष्मीनारायण भंगु पवार ने समस्त अतिथियों और समाज के लोगों का आभार व्यक्त किया। इस समारोह ने बैतूल जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों विद्यार्थियों और समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर शिक्षा और समाज सेवा के महत्व को प्रकट किया।

कत्लखाने ले जा रहे 12 गोवंश कराए मुक्त, नहीं थम रही तस्करी

बैतूल। प्रदेश सरकार और पुलिस की गोवंश तस्करी पर सख्ती के लाख दावों के बावजूद तस्करी थमने का नाम नहीं ले रही है। बीती रात राष्ट्रीय हिंदू सेना ने गोवंश तस्करी कर रही एक और गाड़ी पकड़ी है। इसमें 12 गोवंश भरे थे। गोवंश ले जा रहे तस्कर भागने में सफल हो गए। संगठन के तहसील गौरक्षा प्रमुख स्वप्निल पवांर ने बताया कि संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय को रात्रि 3 बजे इस बारे में सूचना प्राप्त हुई थी। जिसके मुताबिक एक पिकअप वाहन में सापना डैम के जंगल से गौवंश को भर कर महाराष्ट्र ले जाने की तैयारी है। इस पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय गौ तस्करों को पकड़ने के लिए संगठन के सदस्यों को सूचित कर गाड़ी पकड़ने के लिए सक्रिय हुए। संगठन सदस्य लड्डू दवंडे ने बताया कि गोवंश से भरी गाड़ी को ग्राम जावरा में पकड़े जाने में सफलता हासिल की है। गौ तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले।

ट्रैक्टर सड़क पर लगाकर पकड़ा- गोवंश ले जा रही पिकअप को पकड़ने के लिए गांव की पुलिया पर ट्रैक्टर को आड़ा खड़ा किया गया था। जिसके बाद गोवंश से भरे पिकअप वाहन को पकड़ा गया है। इस गाड़ी में 3 गौ तस्कर थे। वे गाड़ी को पकड़े जाने की संभावना देख कर गाड़ी से कूद कर फरार हो गए।

साईंखेड़ा पुलिस को दी सूचना- वरिष्ठ सहयोगी संदीप धौटे ने बताया कि गौवंश से भरी गाड़ी को पकड़ने की सूचना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय ने साईखेड़ा टीआई मुकेश ठाकुर को दी। पिकअप वाहन में क्रूरतापूर्वक 8 गाय और 4 बैल भरे थे। गोवंश को चोटें भी है।

पहले भी पकड़ा चुकी गाड़ी- इस गाड़ी को पूर्व में भी संगठन के सदस्यों ने गौवश तस्करी में 3 बार पकड़ कर पुलिस को सौंप कर गौवंश परिवहन एवं गौ तस्करी का मामला दर्ज बैतूल बाजार, शाहपुर और चोपना थाना में दर्ज करवाया था। उसके बावजूद यह गाड़ी आज पुनरू पकड़ाई है। विभाग अध्यक्ष दीपक कोसे ने बताया कि गौवंश को उपचार के बाद गौशाला में सौंपा गया है।

कार्रवाई में इनकी रही भूमिका- इस कार्रवाई में साईंखेड़ा टीआई मुकेश ठाकुर, एसआई पूनम साहू, प्रधान आरक्षक विनय जायसवाल, प्रधान आरक्षक रामानंद धुर्वे, प्रधान आरक्षक रविंद्र नागले, आरक्षक विनोद साहू, आरक्षक कमलेश डेहरिया, संगठन से रितेश ताड़गे, महेंद्र कापसे, गुलाब कावड़कर, राजेश सनाठे, गुलू धोटे की मुख्य भूमिका रही।

ग्राम करनपुर में नल जल योजना से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने का आवेदन दिया जनसुनवाई में

सुबह सवेरे सोहागपुर। मंगलवार को जनपद पंचायत परिसर में जनसुनवाई कार्यक्रम अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत आदि के आतिथ्य में संपन्न हुआ। जनसुनवाई कार्यक्रम में अनुराग तिवारी,नगर पंचायत परिषद से रामगोपाल चौबे, प्रदीप दुबे आदि उपस्थित थे। जनसुनवाई में समीपवर्ती ग्राम करनपुर के सरपंच आजाद सिंह ने दो आवेदन पत्र प्रदान किए। सरपंच आजाद सिंह ने सुबह सवेरे संवाददाता को बताया कि वर्ष 2020 में ग्राम करनपुर में नल जल योजना का कार्य कछुआ चाल से चल रहा है। जहां पाईप लाईन बिछाई हैं।

वहां वहां की सी सी सीमेंट रोड के अलावा नालियों को छतिग्रस्त कर दिया है। इसका अनुबंध पार्थ इंजीनियरिंग कंपनी हरदा द्वारा किया जा रहा है। अनुबंध के अनुसार कंपनी को गांव में आबादी मार्गो मरम्मत कंपनी को निर्धारित समय-सीमा पर करना था।लेकिन कंपनी के द्वारा आज तक सीसी रोड एवं नालियों की मरम्मत का कार्य नहीं किया गया है। इसके ग्राम में गंदगी, कीचड़ की समस्या से आवागमन में असुविधा उत्पन्न हो रही है । ग्राम पंचायत ने कई बार लिखित अनुविभागीय अधिकारी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय एवं पार्थ इंजीनियरिंग कंपनी को मौखिक रूप से किया है। लेकिन परेशानी यथावत है। इसी कारण जनसुनवाई में आवेदन किया है। अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत ने सरपंच को बातों को ध्यान से सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवेदन पत्र भेजा गया है। श्री आजाद सिंह ने एक अन्य आवेदन शासकीय खाद्यान्न की दुकान के संबंध में प्रदान किया गया है। इस आवेदन में आग्रह किया गया है कि विगत बीस सालों से ग्राम पंचायत करनपुर के अंर्तगत आमदेही एवं करनपुर आते हैं। लगभग 20 सालों से यहां के ग्रामीण सोहागपुर करीबन 8 किलोमीटर दूर खाद्यान्न लेने आते हैं।शासन मंशा अनुसार ग्राम में ही खाद्यान्न की दुकान निर्धारित करके ग्रामीण का समय ,व्यय बच सकेगा। ग्राम पंचायत ने इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया है। इससे हितग्राहियों को शासन की योजना का लाभ आसानी से मिल सकेगा । एसडीएम ने संबंधित विभाग को आवेदन प्रेशित कर दिया है।

निस्तार का रास्ता बंद

जनसुनवाई में सुखलाल पिता भवभूति आदिवासी गोंड ने आवेदन दिया है कि मेरे निस्तार के रास्ते एवं मवेशी बांधने की जगह, यहां नल भी लगा हुआ है। इसके आने-जाने वाले रास्ते पर जहां पर मेरे मवेशी बांधते है, की जगह पर पार्वतीबाई एवं उसके दोनो पुत्रों ने तार फेंसिंग कर दी गई है। इससे आना-जाना बंद हो गया है। मेरे आने-जानें का रास्ता नही छोड़ा है। प्रार्थी बहुत अधिक परेशान है । उक्त परिवार हमें कहते हैं कि हम तुझे यहां से भगा देगें। ज्यादा बात की तो हम तुझे जान से मार देने की धमकी के साथ अश्लील अ शब्द कहते हैं। मैं भयभीत हूं। गरीब आदमी एवं मेहनत मजदूरी करने वाला व्यक्ति हूँ। मेरे दो छोटे-छोटे बच्चे हैं । अब आप ही बताइये आने-जाने का रास्ता बंद कर दिया है, तो मै, कहां से निकलकर जाऊंगा। मवेशी को कैसे चारा पानी की व्यवस्था करूंगा । उक्त आदिवासी की समस्या सुनकर आवेदन पत्र तहसीलदार को भेजा गया।

फसल खराब

समीपवर्ती ग्राम अकोला वीरेंद्र एवं सौरभ ने आवेदन दिया है कि स्वीकृत नाली का निर्माण नहीं किया है। इससे नाली के पानी से करीब दो एकड़ भूमि की फ़सल खराब हो गई है।

नाले का यह कैसा लेआउट और कैसी डिजाइन

नर्मदापुरम। नगर में जल निकासी को लेकर बनाए जा रहे सर्पिला कार नाले जल निकासी में कितने सार्थक साबित होंगे यह भविष्य तय करेगा लेकिन जब तक ये उपयोगी साबित होंगे जनता का करोड़ों रुपए इसमें फुंक चुका होगा। कुछ समय पहले ही सांसद और राज्यसभा सांसद की उपस्थिति में यह बात संज्ञान लाई गई थी कि नगर में विकास कार्य हो लेकिन प्राथमिकता तय हो..? जिसे उन्होंने सार्वजनिक तौर पर स्वीकार किया था, पांच किलोमीटर के दायरे में बसे नगर में विकास की अपार संभावनाएं हैं जिन्हें पूरी किया जाना चाहिए पर कमीशन और कमाने की होड़ में ऐसे काम हो रहे जिनका अस्तित्व ज्यादा नहीं..? तीन बाई तीन की नालियों को यहां नाले की संज्ञा देकर किए जा रहे कार्यों की आखिर मानी ट्रिंग कौन कर रहा, जो जमीन से आठ दस इंच उपर से निर्मित किया जा रहे। जमीन में एकत्रित होने वाला पानी इन नालियों में कैसे प्रवेश करेगा, इन सर्पिलाकार नालियों का लेआउट डालते वक्त क्या इस बात को ध्यान रखा गया। इन खूबी के साथ एक नाला नर्मदा बिहार कालोनी में रेलवे की जमीन के समानांतर बनाई जा रही बालिका छात्रावास के पीछे से आदमगढ़ पुलिया की ओर निकाली जा रही। आखिर लाखों की बनाई जाने वाली इस नाले से कितने जगह का पानी निकल पायेगा यह लोगों के लिए शोध का विषय जरुर है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम

नरसिंहपुर। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देषानुसार पंच -ज अभियान के अंतर्गत पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देष्य से दिनांक 05.06.2024 से 15.08.2024 तक (72 दिवसीय) प्रदेश व्यापी वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रंखला में प्रधान जिला न्यायाधीष एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोषी के निर्देषानुसार स्टेषनगंज थाना परिसर में पंच-ज अभियान के अधीन जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर श्री वैभव सक्सेना एवं थाना प्रभारी श्री प्रदीप सराफ द्वारा छायादार व फलदार पौधो का वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में थाने के स्टाफ, पैरालीगल वॉलेन्टियर एवं जिला प्राधिकरण के स्टाफ द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर श्री वैभव सक्सेना ने पौधो के संरक्षण एवं उपयोगिता के संबंध में प्रकाष डाला एवं थाना के स्टाफ को लगाये गये पौधो को संरक्षित करने के निर्देष दिये।

भाजयुमो ने किया हिंदू विरोधी बयान पर राहुल गाँधी का पुतला दहन

नरसिंहपुर। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा संसद में हिंदुओं को हिंसक बताए जाने वाले बयान को लेकर बीजेपी हमलावर हो गई है. बीजेपी ने कांग्रेस को इस मुद्दे पर सदन से सड़क तक घेरने का काम शुरू कर दिया है. इसी क्रम में भाजपा और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने आज सुभाष पार्क चौराहे पर भाजपा के जिला महामंत्री डा हरगोविंद पटेल,नपा अध्यक्ष पं. नीरज महाराज के मार्गदर्शन में भाजयुमो जिलाध्यक्ष प्रियांक जैन व मण्डल अध्यक्ष शिवम श्रीवास्तव के नेतृत्व ने प्रदर्शन कर राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनके पुतले को जलाकर अपना विरोध जताया.उक्ताशय की जानकारी देते हुए युवा मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी प्रखर दुबे ने बताया कि इस अवसर पर विधानसभा संयोजक सुनील कोठारी,जिला उपाध्यक्ष विनीत नेमा, भाजपा मंडल अध्यक्ष रमाकांत चौबे,मनमोहन सलूजा,जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा, जिला सह कार्यालय मंत्री शिशिर दुबे, जिला पंचायत सदस्य नबाव ठाकुर,श्रीकांत श्रीवास्तव,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष निशा सोनी,अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अबरार मंसूरी,युवा मोर्चा जिला महामंत्री दिनेश गुर्जर,अभिषेक रघुवंशी,मनोज ठाकुर,अभिषेक नेमा,गौरव तिवारी,रचित चौरसिया,सुशील सोनी,नवीन रमानी,विनोद पटेल,राजा पटेल,नितिन पटैल,डालचंद चौधरी,ऋषभ साहू, अजय अहिरवार, क्षतिष सोनी.सहित भाजपा कार्यकर्ताओ की उपस्थिथि रही। फोटो पहचान एनएसपी 1

दीक्षारंभ समारोह सपन्न

नरसिंहपुर। म.प्र. शासन उच्चशिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जिले के अग्रणी महाविद्यालय प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर में तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के द्वितीय दिवस का आयोजन 02 जुलाई को संस्था के प्राचार्य डॉ. ममता शर्मा के निर्देशन में हुआ। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर शीतला पटलेने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थी नई आशा के साथ महाविद्यालय की शुरूआत करें जो आपको एक नई दिशा देगा। अपना लक्ष्य निर्धारित करें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि समय पर कक्षा में नियमित उपस्थिति देकर अनुशासन के साथ ज्ञान अर्जित करें। जहां भी हो अपना कर्तव्य अवश्य निभायें। आप छोड़ेगें तो नुकसान आपका होगा और आप करेगें तो फायदा आपका ही होगा। प्राचार्य डॉ. ममता शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि महाविद्यालय में गणवेश में नियमित रूप से उपस्थित होकर अनुशासन के साथ अपनी शिक्षा ग्रहण करें साथ ही महाविद्यालय की संचालित गतिविधियों में सहभागिता करें। प्रो. महेन्द्र कुमार मेहर ने शैक्षणिक विनियम संबंधी जानकारी देते हुए छात्रवृत्ति के नियमों, प्रकार और आवेदन करने की प्रक्रिया को पी.पी.टी. के माध्यम से अवगत कराया। उन्होंने सत्र 2024-25 के लिए एकेडमिक कैलेण्डर तथा परीक्षा संबंधी उपयोगी जानकारियाँ प्रदान की। डॉ. प्रभृति सेन ने कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत संस्था में चलाये जा रहे परम्परागत स्वरोजगार, प्रशिक्षण विभिन्न प्रतियोगिताओं की तैयारी, रोजगार मेला के माध्यम से रोजगारों के अवसरों की उपलब्धता के बारे में बताया।

डीएफए धार टीम जूनियर बॉयज़ अंतर जिला राज्य फुटबॉल स्पर्धा में भाग लेगी

राज्य स्पर्धा हेतु 18 सदस्यीय फुटबॉल टीम घोषित

धार। मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ के निर्देशन में डीएफए खंडवा द्वारा जूनियर बॉयज़ अंतर जिला राज्य फुटबॉल स्पर्धा का आयोजन खंडवा में किया जा रहा है मध्य प्रदेश वेस्ट झोन की नौ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है डीएफए धार को बी ग्रुप में रखा गया है इस ग्रुप में धार सहित रतलाम, नीमच, खरगोन, और मंदसौर टीमें सम्मिलित है यह टीमें एक दूसरे के साथ चार-चार लिग मैच खेलेंगी। पुलिस अधीक्षक एवं पदेन अध्यक्ष डीएफए धार मनोज कुमार सिंह, एवं मार्गदर्शक आर आई पुरुषोत्तम बिश्नोईजी के निर्देशन में कार्यकारी अध्यक्ष शमशेर सिंह यादव द्वारा डीएफए टीम की घोषणा की गई। राज्य फुटबॉल स्पर्धा के लिए के लिए जबलपुर में आयोजित मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ की वार्षिक बैठक में मध्य प्रदेश राज्य की 35 टीमों को 4 झोन में बांटा गया है। इस बैठक में शमशेर सिंह यादव और सुभाष डेविड ने डीएफए धार का प्रतिनिधित्व किया।

धार टीम इस प्रकार है - गोलकीपर- पवन लश्करी, दिव्यांश यादव। डिफेंस - शौर्य ठाकुर, परीक्षित जाधव योगराज धर्मेंद्र और भावेश रजक। मिडफीडर - यश वॉल्टर, दक्ष यादव, निशित लॉड,कविश वास्केल, देवांश ठाकुर ,आजाद सिसोदिया। फॉरवर्ड - वंश विश्वकर्मा, युवराज सिसोदिया, भाव्यांश अलावा, वंश बोढ़ाने, सोहम वर्मा और वेदांश राव। टीम मैनेजर निर्मल वॉल्टर और कोच एनोश मसीह को नियुक्त किया गया है। डीएफए धार टीम के राज्य स्पर्धा में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए अनेक खेल प्रेमियों, पालकों और गणमान्य नागरिकों ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

यातायात व्यवस्था बनाने में यातायात पुलिस और आरटीओ उन्हें निर्देश मिले उससे पहले ही अपना दायित्व पूरा करें ना..

नर्मदापुरम। नगर में बसों का स्टैंड पर फर्राटा से आना फिर बस-स्टैंड से रवाना होने पर जगह जगह खड़ी होते हुए रैंगकर जाना बस में बैठे यात्रियों को तो खलती ही है साथ ही उनका समय जाया होता है। फिर हर कहीं इनके खड़े होने से जाम की स्थिति बनती है। यह सही है कि आज पेट्रोल डीजल की बड़ी कीमत बस मालिकों को खल रही है, बस मालिक कहते हैं कि वे बस चलाने का व्यवसाय किसी तरह खानापूर्ति कर चला रहे.. यह सही मान लिया जाए तो क्या उन्हें नियम तोड़ने की छूट मिलनी चाहिए..? सेवा के साथ व्यापार में जुड़ी यह यात्री सेवा किसी दूसरे के लिए नुकसान का कारण बने तो क्या ठीक होगा..? यह बस आपरेटर्सो को भी ध्यान रखना चाहिए। यही सवाल फिर आरटीओ के साथ लागू होता है। जबतक परिवहन मंत्री आरटीओ को नहीं कहेंगे तो क्या सड़क पर बस अनियंत्रित चलेगी और जैसे ही परिवहन मंत्री कहेंगे आरटीओ नियंत्रण के लिए कारवाई के लिए सड़क पर उतरेंगे.. ऐसा क्यों..? हाल ही में बगैर स्टापेज वाली बसों पर उनका स्टापेज के कारण आरटीओ ने परिवहन मंत्री के निर्देश के बाद मामले बनाएं ऐसा क्यों..? बगैर परिवहन मंत्री के निर्देश के जो काम आरटीओ को नियमित करना चाहिए नहीं होने से अनियमितताओं को शह तो मिलती है। इस पर आरटीओ ध्यान नहीं देती क्यों.? फिर कुछ दिन पहले नाबालिग बच्चे की गाड़ी की टक्कर से फारेस्ट पुलिया के पास हुई मौत के बाद आरटीओ और यातायात पुलिस सक्रिय हुआ शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के सामने उसने कुछ घंटे नाबालिग बच्चों को गाड़ी चलाने पर पकड़ा धकड़ी कर उनके पालकों फटकार लगाई फोटो खिंचवाई अखबार में खबर छपवाई और ड्यूटी खत्म..?

केवल जुर्माना तक आरटीओ को सीमित नहीं होना चाहिए यातायात पुलिस को लेकर नगर की यातायात व्यवस्था में उसे भी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहिए, यह तो उनकी जबावदेही है। कालेज के पास ओवरब्रिज पर बस आपरेटर्सो ने इस जगह को अघोषित बस-स्टैंड बना रखा है। यहां आधा दर्जन बसे खड़ी होकर सवारियां आवाज लगाकर बसों में बैठाती है क्या यह उचित है। जब तक यहां कोई हादसा नहीं होगा या कलेक्टर मैडम निर्देश नहीं देंगी तो क्या इस जगह व्यवस्था कायम नहीं होगी..! कोई घटना घटे उसके पहले यातायात पुलिस और आरटीओ यहां की व्यवस्था ठीक कर दे तो उनकी सार्थकता समझ आती है वरना उनका होना और नहीं होना कोई मायने नहीं रखता यह उन्हें खुद समझना चाहिए..?

वरिष्ठजनों के सम्मान सहित मनाया हरियाली महोत्सव

नरसिंहपुर। वरिष्ठ जन परिषद ने राम जानकी मंदिर धनारे कालोनी नरसिंहपुर में वरिष्ठजनों के सम्मान सहित हरियाली महोत्सव मनाया। पं.भैयाराम शास्त्री व पं.सी बी शर्मा ने मां सरस्वती के पूजन अर्चन सहित हनुमान चालीसा पाठ और संकीर्तन करवाया।साहित्य शिक्षा स्वास्थ्य समाजसेवा धार्मिक कार्यो सहित अपने अपने क्षेत्रों में अनुकरणीय सेवा में देने वाले वरिष्ठ सदस्य सर्व श्री प्रेमशंकर राघव,डा.केदार गुप्ता,पं.चन्द्रभान शर्मा, प्रभात राय, रामसेवक श्रीवास,के.सी.नेमा, संतोष राजपूतआर.के श्रीवास्तव,जनक लोधी,और महेश नेमा जी का परिषद् द्वारा पुष्पमाला शाल श्रीफल से स्वागत सम्मान और नागरिक अभिनंदन किया गया।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों पर दिया गया प्रशिक्षण

जिले के सभी थानों में आयोजित किए गए जागरूकता कार्यक्रम

नरसिंहपुर। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 के प्रावधानों पर जिले में पदस्थ सभी कार्यपालिक दण्डाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। ज़िला स्तरीय प्रशिक्षण कोतवाली नरसिंहपुर में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले व पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार मौजूद थे।विदित है कि नागरिकों को शीघ्र और सुलभ न्याय प्रदान करने के लिए तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम एक जुलाई 2024 से लागू हो चुके हैं। यह औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। इन नए कानूनों का उद्देश्य देश के नागरिकों को त्वरित न्याय देना है। साथ ही न्यायिक और अदालत प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करना है। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में आयोजित किए गए कार्यक्रम में जिले के गणमान्य नागरिक, आमजन, अधिवक्ता, मीडिया कर्मी, स्कूली छात्र- छात्रायें शामिल हुये, जिन्हे नवीन कानूनों के संबंध में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में डीपीओ श्री रामकुमार पटेल, अधिवक्ता संघ के जिला अध्यक्ष श्री मुकेश शर्मा, एसडीओपी श्रीमती मोनिका तिवारी, एसडीएम श्री मनेन्द्र सिंह द्वारा नवीन कानूनों के संबंध में जानकारी दी गयी। इसी प्रकार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नागेन्द्र पटेरिया थाना गोटेगांव अंतर्गत कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने आमजनों को नये कानून के प्रति जागरूक किया।

पीएम कॉलेज आफ एक्सीलेंस में विद्यार्थियों को दिया जा रहा है मार्गदर्शन

धार। पीएम कॉलेज आफ एक्सीलेंस में दूसरे दिन भी हुए महत्वपूर्ण कार्यक्रम हुए। प्राचार्य डॉक्टर एस एस बघेल के विशेष मार्गदर्शन में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए । डॉक्टर एलएस निगवाल ने शैक्षणिक विनिमय का क्या महत्व है कैसे ज्ञान का आदान-प्रदान होता है और उसके साथ छात्र छात्राओं को कैसे लाभ मिलता है की जानकारी दी । महेश सोनेने ने महाविद्यालय में प्राप्त होने वाली अलग-अलग प्रकार की छात्रवृत्तियों के बारे में छात्र-छात्राओं को समझाया । डॉक्टर टी सी नरगावे ने महाविद्यालय में चल रहे विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों का परिचय दिया डिजिटल संसाधनो का अवलोकन

ऑनलाइन डा सागर सेन ने छात्र-छात्राओं को बताया कि आप ऑनलाइन भी विभिन्न प्रकार के कोर्सेज स्वयं पोर्टल पर रजिस्टर्ड हो करके ऑनलाइन भी कर सकते हैं। प्रयोगशाला एवं कार्यशालाओं के बारे में विस्तृत जानकारी डॉक्टर दारासिंह वास्केल जंतु विज्ञान ,डॉक्टर सुनील पाठक वनस्पति शास्त्र विभाग, डा सुलोचना पाटिल रसायन शास्त्र विभाग ,भूगोल विभाग की विभाग अध्यक्ष राजश्री विभूते ने महत्वपूर्ण जानकारी दी कैरियर परामर्श एवं प्लेसमेंट सेल की जानकारी डॉक्टर अरुणा मोटवानी एवं युवा संसाधन की जानकारी जितेंद्र पटेल ने दी पाठयोत्तर गतिविधियों में डॉक्टर आरसी घावरी एवं लक्ष्मी बघेल ने एन एस एस एवं एनसीसी की जानकारी दी । कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक सीमा नागर एवं डॉक्टर आर सी घावरी ने किया। संचालक टीम के द्वारा विद्यार्थियों को महाविद्यालय का भ्रमण भी करवाया गया छात्र-छात्राओं ने लाइब्रेरी एवं प्रयोगशालाओं का भ्रमण भी किया। इस समारोह में एनसीसी के हरिराम अडानिया सेजल जादव एनएसएस के अंकित सोलंकी एवं विवेकानंद प्रकोष्ठ के तनिष्क जाट का सहयोग रहा । आभार डॉक्टर राजश्री विभूते ने माना । अध्यक्षीय उद्बोधन डॉक्टर आयशा खान ने दिया । जानकारी डॉक्टर एलएस निंगवाल एवं डॉ एन एस सोलंकी ने दी।

विधानसभा में बजट सत्र के दूसरे दिन भी हुआ जमकर हंगामा

सारंग नर्सिंग घोटाले के जिम्मेदार, इस्तीफा दें : नेता प्रतिपक्ष

परमिशन की फाइल मंत्री तक नहीं आती, निर्णय मेडिकल काउंसिल लेती है : सारंग

भोपाल (नप्र)। विधानसभा में बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब एक शेर के जरिए दिया। उन्होंने कहा- मालूम था कि दरबान है सूरज, फिर भी लोग मेरे घर को जलाने आए।

नर्सिंग घोटाले के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा में सारंग बोले- शुरुआत में मुझे लगा कि आरोप राजनीतिक हैं लेकिन अब ये व्यक्तिगत हो गए हैं। कॉलेजों को परमिशन देने की जिम्मेदारी तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल की तत्कालीन रजिस्ट्रार सुनीता शिजू को दी थी। उन्होंने ही कॉलेज खोलने के लिए परमिशन दी है।

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पहले 453, बाद में 445 नर्सिंग कॉलेजों को बिना इंस्पेक्शन मान्यता दी गई। परमिशन संबंधी जो नियम

2018 में भाजपा सरकार ने बनाए थे, वे कांग्रेस गवर्नमेंट में लागू नहीं किए गए। नियम शिथिल करने का काम कांग्रेस सरकार ने किया। इन्होंने ही अकादमिक भवन की अनिवार्यता को नकारा। उनके समय ऑफलाइन आवेदन किया जाता था। बीजेपी की सरकार ने इसे ऑनलाइन किया। स्क्रूटनी कमेटी में मेडिकल कॉलेज के सीनियर प्रोफेसर को शामिल किया गया ताकि गड़बड़ी रोकी जा सके।

भाजपा सरकार में छात्रों ने गड़बड़ियों को लेकर ज्ञापन दिया। इस पर मैंने विभागीय मंत्री होने के नाते जो पत्र लिखे, उनमें पुनर्विचार करने और एडवाइजरी की बात कही गई

शोर-शराबे के बीच विधानसभा स्थगित

कांग्रेस नर्सिंग घोटाले की जांच के लिए सर्वदलीय कमेटी बनाने की मांग करती रही। शोर-शराबे के बीच विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की आज की कार्यवाही पूरी कराई। विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए सदन से बाहर आ गए।

जांच कमेटी तय करेगी जिम्मेदारी : शुक्ल

चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश पर रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में जांच कमेटी बनी है। यह तय करेगी कि घोटाले का जिम्मेदार कौन है, उसके बाद कार्रवाई की जाएगी। ज्यादा मान्यता देना गुनाह नहीं है, बात यह है कि मान्यता सही होनी चाहिए। शुक्ल ने कहा कि 6 महीने के अंतराल में छात्रों के एग्जाम कराए जा रहे हैं। वर्ष 2025 तक एक लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स के एग्जाम करा लिए जाएंगे।

थी। कोई भी अनुमति आदेश मेरे द्वारा नहीं दिया गया था। ऐसी कोई भी फाइल मंत्री तक नहीं आती है। सारे निर्णय मेडिकल काउंसिल लेती है।

कांग्रेस ने की सर्वदलीय कमेटी बनाने की मांग- इससे पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि नर्सिंग कॉलेजों में घोटाले के लिए तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग और विभागीय अधिकारी जिम्मेदार हैं। मंत्री सारंग का इस्तीफा होना चाहिए। मामले की जांच के लिए सर्वदलीय कमेटी बनाई जाए।

डिप्टी सीएम शुक्ल बोले- आरोप तथ्यहीन और निराधार- उप मुख्यमंत्री और लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने ध्यानाकर्षण के सवालों के जवाब में कहा- 66 अनसूटेबल कॉलेज में से 39 को कांग्रेस सरकार में मान्यता मिली थी। तत्कालीन विभागीय मंत्री विश्वास सारंग पर जो भी आरोप लगाए गए, वे तथ्यहीन और निराधार हैं। यह सारंग के जवाब के बाद साफ हो गया है।

सारंग ने कहा- जिओ टैगिंग व्यवस्था को रोकने का काम कांग्रेस सरकार ने किया- खेल और युवा कल्याण मंत्री सारंग ने कहा कि जिओ टैगिंग के माध्यम से नर्सिंग कॉलेजों के अलग-अलग भवन दिखाने की व्यवस्था को रोकने का काम तत्कालीन कांग्रेस सरकार में किया गया। हमारी सरकार आने पर कॉलेज बिल्डिंग के लिए बैंक गारंटी 10 लाख से बढ़ाकर 25 लाख की गई। 2021-22 में 792 आवेदन मिले, इनमें से 221 को ही मान्य किया गया।

सदन में हंगामा, विजयवर्गीय ने स्पीकर से की हस्तक्षेप करने की मांग

संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने पर सदन कैसे चलेगा? इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य हंगामा करने लगे। इस पर विजयवर्गीय ने तेज आवाज में कहा- अगर ऐसी स्थिति रही तो सदन नहीं चलेगा। अध्यक्ष जी, आपको हस्तक्षेप करना पड़ेगा।

स्पीकर बोले- सदन की मान्य परंपराओं का ध्यान रखें

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा- नेता प्रतिपक्ष सदन की मान्य परंपराओं का ध्यान रखें।इस पर नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का जिक्र किया है। संसदीय कार्य मंत्री बार-बार प्वाइंट ऑफ ऑर्डर का जिक्र करके उन्हें रोकने की कोशिश करते हैं।

विजयवर्गीय की मांग- नेता प्रतिपक्ष की बातें विलुप्त की जानी चाहिए

नेता प्रतिपक्ष के बयान के दौरान संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने प्वाइंट ऑफ ऑर्डर का मुद्दा उठाया और कहा- अगर पहले लिखित में व्यवस्था नहीं दी है तो नेता प्रतिपक्ष की बातें विलुप्त की जानी चाहिए। वहीं, विधायक सीता सरन शर्मा ने भी कहा कि अध्यक्ष आरोप लगाने से रोकने की व्यवस्था करने के लिए अधिकृत हैं।

सिंघार बोले- सारंग ने सुनियोजित तरीके से सारा खेल किया

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- इंडियन नर्सिंग काउंसिल के नियमों में हेरफेर किए गए। कॉलेजों की संख्या बढ़ती रही। नर्सिंग काउंसिल का इलेक्शन नहीं कराया गया। तत्कालीन मंत्री विश्वास सारंग ने सुनियोजित तरीके से यह सारा खेल किया। तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा आयुक्त निशांत वरवड़े ने सरकारी कॉलेज को भी अनसूटेबल बता दिया था।मंत्री के बगैर कोई अधिकारी घोटाला नहीं कर सकता। हाई कोर्ट की फटकार के बाद सरकार ने नर्सिंग स्कूल को नर्सिंग कॉलेज में बदल दिया और वाहवाही लूटने का काम किया। मंत्री का ओएसडी रहा महेंद्र गुप्ता इसमें शामिल है। निजी कंपनी के लोगों को आउटसोर्स पर रखकर मंत्री स्टाफ में शामिल किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष से जांच कमेटी बनाने की मांग

भंवर सिंह शेखावत ने कहा- राजस्थान में पढ़ने वाले लोगों ने मध्यप्रदेश में खुद को फैकल्टी के रूप में दर्ज कर लिया, यह कैसे हो गया? इस पूरे मामले में सिर्फ एक जन प्रतिनिधि ही दोषी नहीं है। अफसरों की और कर्मचारियों की लंबी टीम है, जो इसके लिए जिम्मेदार है। विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध है कि सदन के दोनों पक्षों की एक कमेटी बनाएं, जो तय करे कि किसी को बचाना नहीं चाहिए।

भोपाल 'शहर सरकार' का बजट नया-वादे पुराने

3353 करोड़ रुपए का बजट; भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भाजपा-कांग्रेस के पार्षद आमने-सामने

भोपाल (नप्र)। भोपाल महापौर मालती राय ने 'शहर सरकार' का 3353 करोड़ रुपए का बजट पेश कर दिया है। बजट में टैक्स में बढ़ोतरी नहीं की गई है। बजट में आय और व्यय बराबर रहने का अनुमान है। इस वित्तीय वर्ष में नगर निगम की अनुमानित आय 3353 करोड़ 16 हजार रुपए रहेगी और अनुमानित व्यय भी इतना ही रहेगा।

नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी का कहना है कि बजट में कुछ भी नया नहीं है। पिछले साल के बजट के बिंदुओं के नंबर बदले गए हैं। महापौर ने पिछले बजट और अंतरिम बजट का हिसाब नहीं दिया। जो 700 करोड़ रुपए लैप्स हुए हैं। बजट में उसका जिक्र तक नहीं किया।

पार्षदों की निधि के लिए इतनी राशि- वार्ड नियोजन निधि के रूप में प्रति वार्ड 25 लाख रुपए के मान से बजट में 21 करोड़ 25 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। साथ ही संपत्ति कर की 50 प्रतिशत की राशि भी वार्डों के विकास कार्यों पर खर्च होगी।

अध्यक्ष के लिए 2 करोड़ रुपए का प्रावधान- बजट में निगम अध्यक्ष निधि को 2 करोड़ रुपए रखने का प्रावधान भी किया गया है। पिछली बार भी इतनी ही राशि थी। महापौर के लिए यह राशि 5 करोड़ रुपए है।

महापौर ने दिया बजट पर जवाब- भोपाल महापौर मालती राय ने बजट पर जवाब दिया। कहा-शहर में निश्चित रूप से अतिक्रमण बढ़ रहा है। लेकिन, नगर निगम का अमला अतिक्रमण हटाने जाता है, और कहीं न कहीं से फोन आ जाता है।

प्रॉपर्टी टैक्स के मुद्दे पर एमआईसी मेंबर रविन्द्र यति ने विपक्ष के उन पार्षदों पर तीखा हमला किया, जो पार्षद निधि बढ़ाने की बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भोपाल में दो कानून नहीं रहने देंगे। क्या भोपाल भारत-पाकिस्तान है? हम 80 प्रतिशत प्रॉपर्टी टैक्स वसूलते हैं, लेकिन कई वार्ड ऐसे हैं, जहां पर सिर्फ 5 प्रतिशत टैक्स ही मिल रहा। जबकि वार्ड के लिए पर्याप्त राशि मिलती है। अब ऐसा नहीं होने देंगे। यदि पैसा हम वसूला है तो राशि हमारे वार्ड में ही खर्च होगी।

रविंद्र यति बोले- आरोप लगाने से पहले चिंतन-मनन जरूर कर लें

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर एमआईसी मेंबर रविंद्र यति ने विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा- विपक्ष आरोप लगाने से पहले चिंतन-मनन जरूर कर लें। एमआईसी मेंबर की राशि उसकी खुद की नहीं होती, यह जनहित में ही खर्च की जाती है। इसलिए विपक्ष आरोप लगाए तो एक बार विचार कर लें।

नेता प्रतिपक्ष बोलीं- नए कवर में पुराना बजट

नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने बजट पर बोलना शुरू किया। कहा- नए कवर में पुराना बजट है।

एमआईसी मेंबर राठौर बोले- पुराने शहर से संपत्ति कर नहीं आ रहा है

प्रॉपर्टी टैक्स पर एमआईसी मेंबर मनोज राठौर ने कहा कि पुराने शहर से संपत्ति कर नहीं आ रहा है। कई वार्डों की स्थिति अच्छी नहीं है। पार्षद चाहते तो हैं कि सुविधा बढ़े, ज्यादा राशि खर्च की जाए, लेकिन संपत्ति कर जमा नहीं करवा रहे। यदि वे ऐसा कर देंगे तो मैं अपनी पूरी निधि उस वार्ड में खर्च कर दूंगा। इस पर अध्यक्ष सूर्यवंशी बोले कि निगम अभियान चलाकर संपत्ति कर जमा करवाएं।

बीजेपी के पार्षद रेहान मंसूरी ने भी अतिक्रमण का मुद्दा उठाया

कांग्रेस के सीनियर पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान ने कहा कि नकल में भी अकल चाहिए। लगता है, अफसरों ने पिछले बजट की फोटो कॉपी करके दे दी है। कुछ भी बदलाव नहीं किया गया है।

इंदौर के आश्रम में 4 बच्चों की मौत, 23 भर्ती

2 की हालत गंभीर, घटनास्थल पर ठहाके लगाने वाले एसडीएम को हटाया

इंदौर (नप्र)। इंदौर के एक आश्रम में कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। चार दिन में अब तक चार बच्चों की मौत हो गई। मंगलवार को 23 बच्चों को चाचा नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया।

पंचकुइया रोड स्थित श्री युगपुरुष धाम आश्रम की प्राचार्य डॉ. अनिता शर्मा ने कहा कि आश्रम में 204 बच्चे हैं। इनमें से 4 की मौत हुई। 23 का इलाज जारी है। जिन 4 बच्चों की मौत हुई, उनमें से 2 को मिर्गी आती थी। अन्य दो की मौत के पीछे ब्लड इन्फेक्शन और फूड पायजनिंग की आशंका जताई है। मृत बच्चों के नाम शुभम उर्फ करण, आकाश, शुभ और छोटा गोविंद है। सभी की उम्र 5 से 15 साल के बीच है।

कलेक्टर ने एसडीएम को हटाया- कलेक्टर आशीष सिंह ने विस्तृत जांच के आदेश दिए। वे मंगलवार सुबह भर्ती बच्चों की जानकारी लेने पहुंचे, दोपहर में आश्रम भी गए। इधर, घटनास्थल पर तैनात मल्हारगंज एसडीएम ओमप्रकाश बड़कुल को शाम को हटा दिया गया। बड़कुल इस संवेदनशील विषय पर ड्यूटी के दौरान ठहाके लगाते दिखे थे, जिनका वीडियो वायरल हुआ था।

हर बच्चे की जांच आश्रम में, दो अस्पतालों से टीम भेजी- चौथी मौत के बाद प्रशासन ने हर बच्चे का चेकअप कराने का फैसला किया। कलेक्टर के निर्देश एमबाय और चाचा नेहरू अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीमें आश्रम भेजी गईं। कलेक्टर खुद भी मौजूद रहे। बता दें कि आश्रम में 204 बच्चे थे, जिनमें 27 से ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

मानसिक रूप से कमजोर बच्चों का आश्रम है- इंदौर के पंचकुईया रोड स्थित श्री युगपुरुष धाम आश्रम में मानसिक दिव्यांग बच्चों को रखा जाता है। यहां अलग-अलग जिलों से बच्चों को चाइल्ड लाइन या अन्य माध्यम से सौंपा जाता है। यहां फिलहाल 217 मानसिक दिव्यांग बच्चे (101 बच्चे और 116 बच्चियां) हैं। सरकारी रिकॉर्ड में सभी बच्चों के साथ मां का नाम यहां की आचार्य डॉ. अनीता शर्मा लिखा हुआ है। जो बच्चे 10-15 साल पहले आए थे, इन्हीं में से 18 बेटियां एक-एक बच्चे की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

2006 में 78 बच्चों से हुई थी आश्रम की शुरुआत- आश्रम 2006 में 78 दिव्यांग बच्चों से शुरू हुआ था। युगपुरुष स्वामी परमानंदगिरि महाराज के

सान्निध्य में यह संचालित हो रहा है। तब सभी की मां का नाम प्राचार्य अनिता के नाम पर और पिता की जगह आश्रम के सचिव तुलसी शादीजा का नाम लिखा गया। सभी के सरनेम स्वामीजी के नाम पर परमानंद रखे गए।

आश्रम संचालिका और एसडीएम लगाते रहे ठहाके- आश्रम की संचालिका डॉ. अनिता शर्मा और एसडीएम ओमनारायण सिंह का वीडियो जो सामने आया है। उसमें दोनों घटना स्थल पर निरीक्षण के दौरान ठहाके लगाते दिखे। वीडियो में 7 सेकेंड पर यह दृश्य साफ नजर आ रहा है। वीडियो सामने आने के बाद कलेक्टर ने एसडीएम को पद से हटाकर अटैच कर दिया है।

अनाथाश्रम के 4 और बच्चों को अस्पताल भेजा- अनाथाश्रम के 4 और बच्चों को अस्पताल भेजा जा रहा है। एक बच्चे के हाथ में लगी ड्रिप की निडल डिस्टर्ब होने से ब्लड बाहर की ओर आने लगा।

पूर्व सीएम कमलनाथ बोले-

पहली दफा संसद में बीजेपी में घबराहट

राहुल गांधी के बयान पर इन्हें बवाल तो मचाना ही है; आंचलकुंड में टेका माथा

छिंदवाड़ा (नप्र)। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मंगलवार को आंचलकुंड धाम में दर्शन किए। राहुल गांधी के बयान पर उन्होंने कहा, राहुल गांधी जो कहते हैं, ये बवाल तो इनको (बीजेपी) मचाना ही है। ये घबराए हुए हैं और पहली दफा है, जब संसद में इतनी घबराहट में हैं।

पूर्व सीएम ने कहा, अमरवाड़ा विधानसभा में कांग्रेस के पक्ष में माहौल है। प्रदेश के बजट सत्र में छिंदवाड़ा को क्या मिलेगा ये देखने वाली बात होगी। पूर्व सीएम के साथ मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी दादाजी दरबार में पूजा - अर्चना कर आशीर्वाद लिया और अपनी भेंट चढ़ाई।

अमरवाड़ा में 10 जुलाई को उपचुनाव होना है, नतीजे 13 जुलाई को आएंगे। कांग्रेस ने आंचलकुंड धाम से जुड़े धीरन शाह को टिकट दिया है। भाजपा से पूर्व विधायक कमलेश शाह मैदान में हैं।

उपचुनाव की वोटिंग से 8 दिन पहले संभाली कमान- उपचुनाव की वोटिंग के 8 दिन पहले पूर्व सीएम

कमलनाथ, जीतू पटवारी के साथ अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव की कमान संभालने पहुंचे। हेलिकॉप्टर से वे सीधे भोपाल से भटका गांव पहुंचे। यहां से आंचलकुंड धाम कार से पहुंचे।

राहुल गांधी के भाषण के हिस्से को हटाना गलत

कमलनाथ ने ट्वीट किया, राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर परिचर्चा में कल (सोमवार) सदन में जो वक्तव्य दिया, उसके कुछ हिस्सों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया। राहुल ने स्पीकर को पत्र लिखकर उनके भाषण के हिस्से हटाए जाने पर आपत्ति दर्ज की है। अपने लंबे संसदीय अनुभव के आधार पर मैं भी लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध करता हूं कि नेता प्रतिपक्ष के वक्तव्य के हिस्से इस तरह से हटाना संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। सदन के नेता के पास चर्चा के अंत में अपनी बात रखने का पूरा मौका होगा। सत्ता पक्ष के सांसद भी राहुल गांधी की बातों का जवाब दे सकते हैं। नेता प्रतिपक्ष के भाषण के हिस्से हटा देना न सिर्फ अभिव्यक्ति की आजादी पर सीधा हमला है, बल्कि भारत के लोकतंत्र को मूक बना देने की कोशिश भी है।

पन्ना के बृहस्पति कुंड में बनेगा प्रदेश का पहला ग्लास ब्रिज, टूरिस्ट करीब से निहार सकेंगे जलप्रपात

पन्ना (नप्र)। पन्ना जिले के बृजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित बृहस्पति कुण्ड जलप्रपात की खूबसूरती निहारने के लिए ग्लास ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। गौरतलब है कि पन्ना के पूर्व कलेक्टर संजय कुमार मिश्र ने अपने कार्यकाल में बृहस्पति कुण्ड जलप्रपात और आसपास के क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के उद्देश्य से प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग शिव शेखर शुक्ला को प्रस्ताव भेजा था।

उस प्रस्ताव के संबंध में लोकेशन का अध्ययन करने प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति विभाग शिव शेखर शुक्ला की ओर से मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम के वास्तुविद सतीश कालान्तरे (जबलपुर), कार्यपालन यंत्री क चौरसिया (सागर) और विवेक चौबे, उपयंत्री (खजुराहो) की टीम को पन्ना भेजा।

पन्ना के सर्किट हाउस में पूर्व कलेक्टर संजय कुमार मिश्र द्वारा मध्य प्रदेश पर्यटन निगम की उक्त टीम के साथ बैठक लेकर बृहस्पति कुण्ड जलप्रपात और आसपास के क्षेत्र का

पर्यटन बढ़ाने के उद्देश्य से बनाये प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा कर अपने सुझाव दिए गए।

इस बैठक में आबकारी उपनिरीक्षक मुकेश पाण्डेय जिला पुरातत्व, पर्यटन और संस्कृति परिषद पन्ना के सदस्य के रूप में शामिल हुए। तकनीकी टीम द्वारा वास्तविक स्थिति और लोकेशन का अध्ययन और सर्वे किया।

फिलहाल कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं- वास्तुविद सतीश कालान्तरे ने बताया कि बृहस्पति कुण्ड जलप्रपात के आसपास फिलहाल सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना हमेशा बनी रहती है, इसलिए बृहस्पति कुण्ड जलप्रपात के चारों तरफ सुरक्षा हेतु रेलिंग लगाई जाएगी।रेलिंग भी इस तरीके से लगाई जाएगी कि स्थान की खूबसूरती भी बनी रहे और सुरक्षा भी। बृहस्पति कुण्ड आश्रम की तरफ एक मजबूत ग्लास ब्रिज बनाया जाएगा, जिस पर चढ़कर पर्यटक जलप्रपात के ठीक सामने खड़े होकर जलप्रपात की खूबसूरती को निहार सकेंगे। यह देश का दूसरा और मध्यप्रदेश का पहला ग्लास ब्रिज होगा ।

पैगोडा डिजाइन के विश्राम स्थल बनेंगे- कार्यपालन यंत्री चौरासिया ने बताया कि जलप्रपात के आसपास लोगों को धूप-बारिश से बचने के लिए पैगोडा डिजाइन के विश्राम स्थल भी बनाए जाएंगे। दिनों-दिन पर्यटकों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए समुचित संख्या में प्रसाधन गृह और एक बड़ी पार्किंग की भी व्यवस्था होगी।